मेट्रो Rays

आगे रखने का वादा

सांध्य दैनिक

रांची,शनिवार,05 सितंबर 2026

संवत 2083, भाद्रपद कृष्ण 8 मूल्य-2 रूपये

वर्ष-10 अंक-01, पृष्ठ-8, RNI:-JHAHIN/2017/75028

समाज के मार्गदर्शक होते हैं शिक्षक

शिक्षक दिवस आज

संपादकीय

एक दशक की यात्रा विश्वास की पूंजी

दिवाकर नाथ शाहदेव

5 सितंबर हमारे लिए केवल कैलेंडर की एक तारीख नहीं, बल्कि आत्ममंथन और नई ऊर्जा के संकल्प का दिन है। इसी दिन रांची से प्रकाशित होने वाले संध्या दैनिक मेट्रो रेज अपने प्रकाशन के दसवें वर्ष में प्रवेश कर रहा है। एक दशक की यह यात्रा हमारे लिए गौरव का विषय होने के साथ-साथ जिम्मेदारियों को और अधिक गंभीरता से समझने का अवसर भी है। जब किसी समाचार पत्र की शुरूआत होती है, तो उसके सामने सबसे बड़ी चुनौती केवल पाठकों तक समाचार पहुंचाना नहीं होती, बल्कि पाठकों का विश्वास अर्जित करना होता है। मेट्रो रेज ने अपनी यात्रा में इसी विश्वास को अपनी सबसे बड़ी पूंजी माना है। बदलते समय, बदलती तकनीक और समाचारों की बदलती प्रस्तुति के बीच हमने पत्रकारिता के मूल उद्देश्य-सत्य, निष्पक्षता और जनसरोकार-को अपनी प्राथमिकता बनाए रखने का प्रयास किया है।

रांची और झारखंड की सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक और सांस्कृतिक गतिविधियों को पाठकों तक पहुंचाना हमारी जिम्मेदारी रही है। आम लोगों की आवाज को मंच देना, स्थानीय समस्याओं को सामने लाना और समाज के सकारात्मक प्रयासों को स्थान देना हमारी पत्रकारिता की पहचान का हिस्सा रहा है। हमारा मानना है कि समाचार पत्र केवल खबरों का संग्रह नहीं होता, वह समाज और शासन के बीच संवाद का एक महत्वपूर्ण माध्यम भी होता है।

पिछले दस वर्षों में पत्रकारिता की दुनिया में व्यापक बदलाव आया है। डिजिटल मीडिया और सोशल मीडिया के दौर में समाचार कुछ ही क्षणों में लाखों लोगों तक पहुंच जाता है। ऐसे समय में प्रिंट मीडिया के सामने चुनौती निश्चित रूप से बड़ी है, लेकिन विश्वसनीय और प्रमाणित सूचना की आवश्यकता आज भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। बल्कि सूचनाओं की अधिकता के इस दौर में सही और गलत के बीच अंतर स्पष्ट करने की जिम्मेदारी और बढ़ गई है।

मेट्रो रेज अपने दसवें वर्ष में प्रवेश करते हुए इसी जिम्मेदारी को और मजबूती से निभाने का संकल्प लेता है। हम चाहते हैं कि अखबार की पहचान केवल उसकी खबरों से नहीं, बल्कि उसकी विश्वसनीयता, भाषा की गरिमा और जनहित के प्रति उसकी प्रतिबद्धता से बने।

इस यात्रा में हमारे पाठकों, संवाददाताओं, पत्रकारों, सहयोगियों, विज्ञापनदाताओं और शुभचिंतकों का योगदान अमूल्य रहा है। पाठकों ने हमें पढ़ा, सराहा, सवाल किए और कमियों की ओर ध्यान भी दिलाया। यही संवाद किसी भी समाचार पत्र को बेहतर बनाने की सबसे बड़ी ताकत है।

दस वर्ष पूरे होना किसी यात्रा का अंत नहीं, बल्कि एक नए अध्याय की शुरूआत है। आने वाले वर्षों में मेट्रो रेज तकनीक के साथ कदम मिलाते हुए पत्रकारिता के मूल्यों को और मजबूत करने, नए पाठकों तक पहुंचने और समाज के हर वर्ग की आवाज को स्थान देने का प्रयास करेगा।

हम अपने पाठकों से यही विश्वास और सहयोग आगे भी चाहते हैं। एक दशक पूरा हुआ है, लेकिन सफर अभी लंबा है।

विश्वास की इस यात्रा को नई ऊंचाइयों तक ले जाने का संकल्प

शिक्षक दिवस पर सीएम ने दी शुभकामनाएं शिक्षा में सुधार का दोहराया संकल्प

- पूर्व राष्ट्रपति, महान दार्शनिक व भारत रत्न डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन को किया नमन

संवाददाता

रांचीः मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने शनिवार को शिक्षक दिवस के अवसर पर देश के पूर्व राष्ट्रपति, महान दार्शनिक एवं भारत रत्न डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती पर उन्हें शत-शत नमन करते हुए सभी शिक्षकों, विद्यार्थियों एवं अभिभावकों को हार्दिक बधाई, शुभकामनाएं एवं जोहार दिया।

शिक्षा में एआई और नई तकनीक से होंगे सुधार : मुख्यमंत्री ने अपने संदेश में कहा कि झारखंड में शिक्षा व्यवस्था को सशक्त बनाने के लिए हर स्तर पर कमियों को दूर कर प्रभावी ढंग से सुधार किया जा रहा है. उन्होंने कहा कि समय के साथ शिक्षा पद्धति भी बदल रही है. आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और नई तकनीक शिक्षण को और अधिक सहज, प्रभावी तथा विद्यार्थियों की जरूरतों के अनुरूप बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पर जोरः हेमंत सोरेन ने स्पष्ट किया कि राज्य सरकार का संकल्प है कि आधुनिक तकनीक के साथ गुणवत्तापूर्ण शिक्षा दी जाए और नई पीढ़ी अपने मूल्यों व जड़ों से जुड़ी रहे। उन्होंने सभी शिक्षकों को शिक्षक दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए जोहार कहा।

केरल में भयानक सड़क हादसा, खड़ी लॉरी से टकराई कार, तमिलनाडु के आठ इंजीनियरिंग के छात्रों की मौत

त्रिशूरः केरल के त्रिशूर में भीषण सड़क हादसा हो गया, जिसमें तमिलनाडु के इंजीनियरिंग कॉलेज के आठ छात्रों की मौत हो गई। छात्र जिस कार में यात्रा कर रहे थे, वह शुक्रवार देर रात त्रिशूर जिले के कैपामंगलम में नेशनल हाईवे 66 पर खड़े एक मालवाहक ट्रक से टकरा गई। यह हादसा नेशनल हाईवे के उस हिस्से पर हुआ जहां निर्माण कार्य चल रहा है। यहां एक लॉरी हाईवे पर चल रहे निर्माण कार्य के दौरान बनाए गए डायवर्जन के पास खड़ी थी। इस लॉरी में तमिलनाडु नंबर वाली कार पीछे से आकर टकरा गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और उसमें सवार 8 लोग अंदर ही फंस गए। हादसे की खबर मिलते ही स्थानीय लोग और बचावकर्मी मौके पर पहुंचे। पीड़ितों को बाहर निकालने के लिए क्षतिग्रस्त वाहन को काटना पड़ा। माना जा रहा है कि कार में सवार सात लोगों की मौत घटनास्थल पर ही हो गई, जबकि एक अन्य पीड़ित को अस्पताल ले जाया गया लेकिन उसे बचाया नहीं जा सका। इसके बाद पुलिस और आपातकालीन कर्मियों ने शवों को आगे की कार्रवाई के लिए भेज दिया।हादसे का शिकार हुए लोग तमिलनाडु के डिंडीगुल में पीएसएम. इंजीनियरिंग कॉलेज के छात्र थे।

नेपाल पर फिर मंडराया खतरा, दाचुर्ला में लैंडस्लाइड के बाद अलर्ट जारी, बाढ़ में अबतक 1300 से अधिक लोगों की मौत

नई दिल्लीः नेपाल के दाचुर्ला जिले में भारी भूस्खलन के चलते चौलानी नदी का प्रवाह बाधित हो गया। नदी का रास्ता बंद होने के बाद निचले इलाकों में अलर्ट जारी कर दिया गया है। प्रशासन ने आसपास के क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी है। नदी के प्रवाह में रुकावट से बाढ़ का खतरा भी बढ़ गया है। इस बीच, 26 अगस्त को आई बाढ़ और भूस्खलन के बाद नेपाल में राहत एवं बचाव अभियान लगातार जारी है। त्रिशूली बाजार क्षेत्र में अभियान के दौरान पांच साल के बच्चे समेत तीन भारतीय नागरिकों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने शुक्रवार को बताया कि अब तक 169 भारतीयों को सुरक्षित निकाला जा चुका है, जबकि 275 भारतीय अभी भी लापता हैं।

शिक्षकों से मिले पीएम मोदी, पूछा-

अच्छा वक्ता बनने के लिए क्या करूं शिक्षिका के जवाब पर खूब हंसे प्रधानमंत्री

एजेंसी

नई दिल्ली : पीएम मोदी ने नई दिल्ली में राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त शिक्षकों से मुलाकात की। उन्होंने इस बातचीत का एक वीडियो भी जारी किया। और एक्स अकाउंट पर लिखा कि शिक्षक दिवस शिक्षकों के समाज में महत्वपूर्ण योगदान को सम्मान देने का अवसर है। यह दिन भारत के महान शिक्षाविद और पूर्व राष्ट्रपति डॉ. एस. राधाकृष्णन को श्रद्धांजलि देने के लिए भी मनाया जाता है। इस दौरान उन्होंने एक शिक्षिका से अपने सार्वजनिक भाषण कौशल को बेहतर बनाने का सुझाव मांगा। पीएम मोदी ने कहा कि अगर मैं आपका विद्यार्थी होता और एक कुशल वक्ता बनना चाहता, तो आप मुझे क्या सुझाव देतीं? मुझे क्या करना चाहिए? इस सवाल के जवाब में अध्यापिका ने कहा कि आपको पहले कॉन्फिडेंस लाना है। इसके बाद वहां मौजूद सभी शिक्षिक हंसने लगे। इस खुशनुमा माहौल में पीएम मोदी भी हंसने लगे। इसके बाद शिक्षिका ने कहा हंसते हुए कहा कि सर, आपका औरा देखकर मुझे ही डाउट हो गया।

शिक्षिका ने अच्छा वक्ता बनने के लिए क्या मंत्र दिया?

इसके बाद शिक्षिका ने कहा कि अच्छी बोलने की क्षमता केवल जन्मजात गुण नहीं है, बल्कि इसे अभ्यास से बेहतर किया जा सकता है। उन्होंने आत्मविश्वास को सबसे पहली जरूरत बताया और कहा कि लगातार अभ्यास करने से आत्मविश्वास आता है। प्रधानमंत्री ने इस जवाब को शिक्षकों के साथ अपनी बातचीत का हिस्सा बनाया। इसके बाद उन्होंने बच्चों और शिक्षा से जुड़े कई मुद्दों पर अपनी बात रखी। उन्होंने खास तौर पर बच्चों के बढ़ते स्क्रीन टाइम को लेकर चिंता जताई और कहा कि यह अब एक तरह की लत बनता जा रहा है।

बॉम्बे हाई कोर्ट की कड़ी टिप्पणी

भारत भले ही चांद पर पहुंच गया, लेकिन हाथ से मैला ढोना खत्म नहीं हुआ

मुंबईः बॉम्बे हाई कोर्ट ने देश में दशकों से चली आ रही हाथ से मैला ढोने की अमानवीय प्रथा पर गंभीर चिंता जताई है। कोर्ट ने कहा कि भारत 21वीं सदी में चांद के अनछुए हिस्सों तक पहुंचने का दावा करता है, लेकिन जाति व्यवस्था जैसी सामाजिक बुराई के कारण आज भी कुछ लोगों को इंसानी गरिमा के खिलाफ काम करने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है।

जस्टिस भारती डांगरे और मंजूषा देशपांडे की पीठ ने कहा कि संविधान लागू हुए 75 साल से अधिक समय बीत चुका है और वह सभी नागरिकों को कानून के समक्ष समानता का अधिकार देता है। इसके बावजूद देश अब तक उस सामाजिक बुराई से पूरी तरह मुक्त नहीं हो पाया है, जिसने समाज को सदियों से प्रभावित किया है।

सफाई कर्मचारियों की मौत पर 30 लाख मुआवजाः कोर्ट ने यह टिप्पणी मैनुअल स्कैवेंजर्स के रूप में रोजगार का निषेध और उनका पुनर्वास अधिनियम, 2013 को लागू करने में राज्य और स्थानीय अधिकारियों की कथित विफलता के खिलाफ दायर याचिका पर सुनवाई के दौरान की। 13 अगस्त को हुई सुनवाई का फैसला 3 सितंबर को सार्वजनिक किया गया।

पीठ ने दो सरकारी आदेशों को रद्द करते हुए स्पष्ट किया कि निजी ठेकेदारों या निजी क्षेत्र के माध्यम से काम पर रखे गए सफाई कर्मचारियों की मौत होने पर उनके परिवार 30 लाख रुपये के मुआवजे के हकदार होंगे। यह मुआवजा राज्य सरकार को देना होगा, हालांकि बाद में संबंधित नियोक्ता से इसकी वसूली की जा सकती है।कोर्ट ने याचिकाकर्ताओं की ओर से उठाए गए ऐसे पांच मृत सफाई कर्मचारियों के मामलों में उनके आश्रितों को भी 30-30 लाख रुपये का मुआवजा देने का निर्देश दिया। सरकारी दावों पर भी उठे सवालः याचिका श्रमिक जनता संघ से जुड़े राजू माधवे और लेखक श्रेयस पांडे के साथ मिलकर दायर की गई थी। माधवे के बेटे सूरज की 2022 में मुंब्रा की एक हाउसिंग सोसाइटी में सेप्टिक टैंक की सफाई के दौरान मौत हो गई थी।

दूसरी शादी से पिता का नाम नहीं बदलेगा, बाद की घटना से खत्म नहीं होगी डॉक्यूमेंट में दी गई जानकारीः हाईकोर्ट

चंडीगढ़ः पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट ने बच्चे के जन्म प्रमाणपत्र में पिता का नाम बदलने से जुड़े मामले में अहम फैसला सुनाया है। अदालत ने स्पष्ट किया कि मां या पिता की दूसरी शादी, तलाक या वैवाहिक स्थिति में बदलाव के आधार पर जन्म प्रमाणपत्र में दर्ज बच्चे के जैविक पिता का नाम नहीं बदला जा सकता। कोर्ट ने कहा कि जन्म प्रमाणपत्र बच्चे के जन्म के समय मौजूद वास्तविक जैविक तथ्यों का आधिकारिक रिकॉर्ड होता है। बाद में होने वाली शादी, तलाक या दूसरी शादी जैसी घटनाएं जन्म के समय मौजूद माता-पिता के जैविक संबंधों को नहीं बदल सकतीं। दूसरी शादी के बाद पति का नाम दर्ज कराने की मांगः मामला एक महिला की याचिका से जुड़ा था। महिला ने अपने नाबालिग बच्चे के जन्म प्रमाणपत्र में दर्ज पिता का नाम बदलने की मांग की थी। प्रमाणपत्र में बच्चे के जैविक पिता के तौर पर किसी अन्य व्यक्ति का नाम दर्ज था। महिला ने अदालत को बताया कि उसने बाद में दोबारा शादी कर ली है और अब बच्चे के पिता के रूप में उसके दूसरे पति जगजीत सिंह का नाम दर्ज किया जाना चाहिए। इसी आधार पर उसने जन्म प्रमाणपत्र में माता-पिता से संबंधित जानकारी बदलने की मांग की थी।

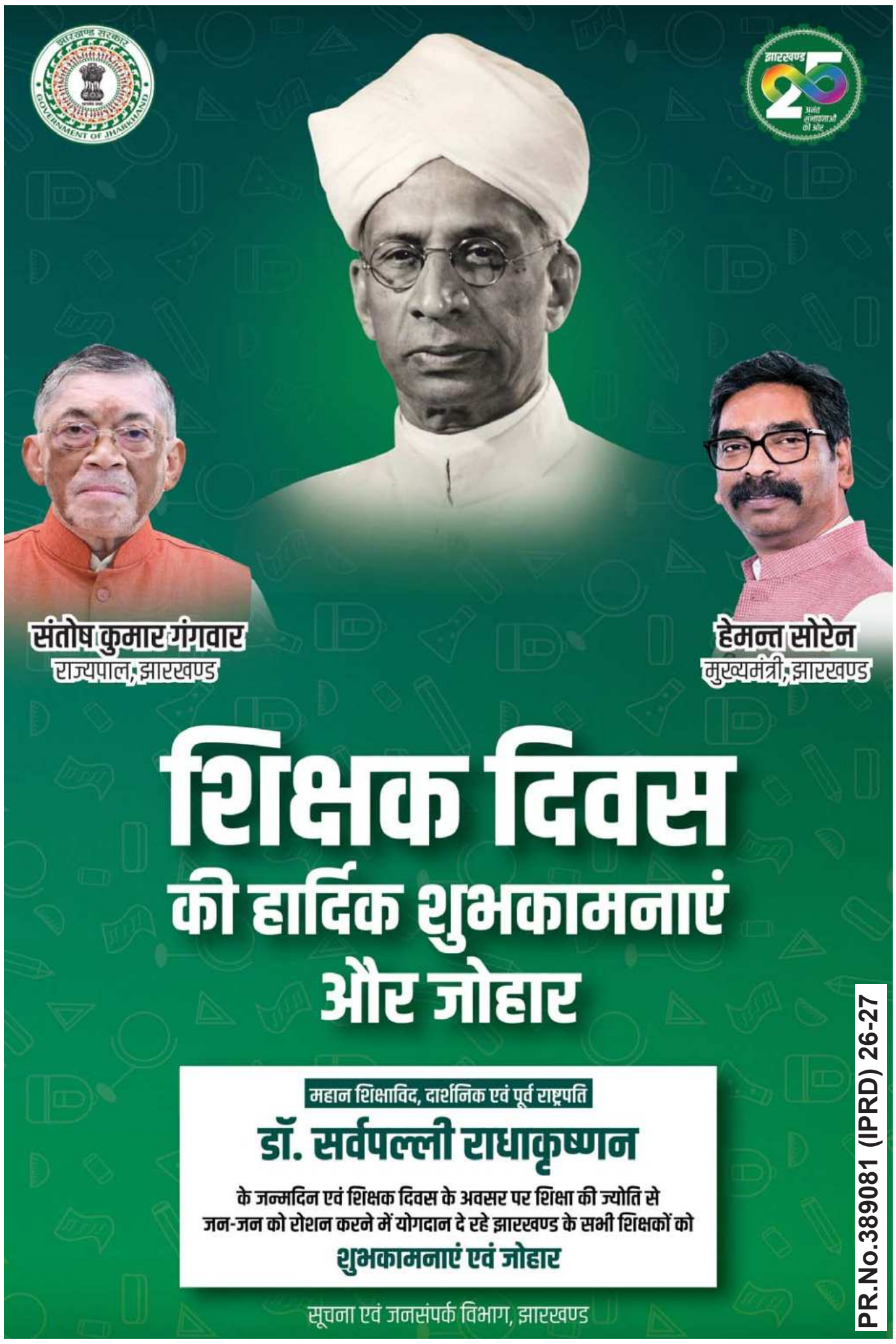

न्यूज IN ब्रीफ

भजन कीर्तन के साथ जन्माष्टमी धूमधाम से संपन्न

मुरी : बीती रात 12 बजे शुभ मुहूर्त के साथ भगवान श्री कृष्ण का जन्मोत्सव मनाया गया। महिलाएं उपवास कर 12 बजे तक राधे कृष्णा प्रतिमा के समक्ष बैठी रहीं। सिल्ली मुरी में श्री कृष्ण जन्माष्टमी बड़े ही धूमधाम से मनाया गया।

ग्रिजली विद्यालय में धूमधाम से मनी श्रीकृष्ण जन्माष्टमी

कोडरमा : तिलैया डैम स्थित ग्रिजली विद्यालय में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी हर्षोल्लास एवं भक्तिमय वातावरण में मनाई गई। इस अवसर पर नन्हे। मुन्ने विद्यार्थियों ने भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं एवं जीवन से जुड़े विभिन्न प्रसंगों को आकर्षक गतिविधियों और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से जीवंत कर दिया। बच्चों की मनमोहक वेशभूषा, उत्साह और शानदार प्रस्तुतियां कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण रहीं। कार्यक्रम में अथर्व एवं कृष्ण ने कालिया नाग युद्ध की प्रभावशाली प्रस्तुति दी। वहीं अर्नव, उर्वशी, वसुंधरा एवं परिणीति ने मणिहारी रूप में मनमोहक प्रस्तुति दी। सिया एवं अविभाव ने नटखट बाल रूप के जरिए श्रीकृष्ण की बाल सुलभ चंचलता और नटखट अंदाज को जीवंत किया। इसके अलावा आरशित, अन्वी यादव, अन्वी राज, आरोही, रितिक, हर्ष, सक्षम, अजनीश, उर्वशी, अनोखी, आरव, सिया एवं आरुष ने महारास की आकर्षक प्रस्तुति देकर खूब तालियां बटोरीं। विद्यालय के सीईओ प्रकाश गुप्ता एवं प्राचार्या अंजना कुमारी ने कहा कि श्रीकृष्ण का जीवन प्रेम, करुणा, सत्य, कर्तव्य एवं धर्म के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। ऐसे आयोजन बच्चों को भारतीय संस्कृति और परंपराओं से जोड़ने के साथ उनके आत्मविश्वास, रचनात्मकता एवं मंचीय प्रतिभा को निखारते हैं। कार्यक्रम में शिक्षिकाओं महिमा, काजल, पूजा एवं आरती ने बच्चों का उत्साहवर्धन किया। अंत में बच्चों के बीच चॉकलेट वितरित की गई। आयोजन को सफल बनाने में बनानी नियोगी, एकता, श्वेता प्रकाश एवं एवलि बर्नवाल का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

जेपीएससी की एसीएफ व एफआरओ परीक्षा में धांधली का खुलासा

रांची : जेपीएससी की सहायक वन संरक्षक (एसीएफ) और वन क्षेत्र पदाधिकारी (एफआरओ) परीक्षा में भी बड़े पैमाने पर धांधली हुई थी। करीब 100 अभ्यर्थियों को पास कराने के लिए करोड़ों रुपए वसूले गए थे। गिरफ्तार आरोपियों से सीआईडी की पूछताछ में यह खुलासा हुआ है। इन अभ्यर्थियों को पास कराने के लिए तीन चरणों में काम किया गया।

पहले चरण में पीटी पास कराने के लिए प्रति अभ्यर्थी पांच लाख रुपए वसूले गए। वहीं दूसरे चरण में मुख्य परीक्षा में औसत अंक पाने वाले छात्रों के नंबर बढ़वाने के लिए संबंधित परीक्षकों से संपर्क साधा गया। जो अभ्यर्थी ज्यादा सवालों के जवाब नहीं दे पाए, उनकी कॉपी जेपीएससी के स्ट्रॉन्ग रूम से निकालकर मॉडल उत्तरों के जरिए लिखवाई गई।

यह सनसनीखेज खुलासा होने के बाद सीआईडी अब आरोपियों के बयानों से मिले तथ्यों की पुष्टि में जुट गई है। परीक्षा परिणाम, ओएमआर शीट और मुख्य परीक्षा की मूल उत्तर पुस्तिकाओं का फॉरेंसिक व तकनीकी सत्यापन कराया जा रहा है।

स्ट्रॉन्ग रूम से निकाली गई थी 30 उत्तर पुस्तिकाएं: सीआईडी ने टीडीपीएल के कर्मचारी प्रदीप कुमार को 24 जुलाई को गिरफ्तार किया था। उसने कबूला कि उसने एसीएफ व एफआरओ की मुख्य परीक्षा की उत्तर पुस्तिकाएं जेपीएससी के स्ट्रॉन्ग रूम से निकाली थी। कुल 30 कॉपियां निकालकर टीडीपीएल के निदेशक रामबीर को सौंपी थी। इसके बाद इसमें उत्तर लिखवाए गए। फिर इसे वापस स्ट्रॉन्ग रूम में रख दिया गया।

खाली ओएमआर भरने के लिए दिल्ली-लखनऊ से आई थी टीम: टीडीपीएल के निदेशक रामबीर सिंह ने बताया कि एफआरओ परीक्षा के दौरान अभय तिवारी, धर्मेंद्र और आनंद ने 15 अभ्यर्थियों के रोल नंबर दिए थे। इन अभ्यर्थियों से 8 से 10 लाख रुपए में डील हुई थी। ऐसे करीब 50 अभ्यर्थियों का काम कराया गया था। खाली ओएमआर शीट भरने के लिए दिल्ली-लखनऊ से विशेष टीम बुलाई गई थी।

40 अभ्यर्थियों की कॉपियों में पीडीएफ एडिटर से बदले उत्तर: टीडीपीएल के एक कर्मचारी संजय कुमार ने बताया कि एफआरओ मुख्य परीक्षा में 25 और एसीएफ मुख्य परीक्षा में 15 अभ्यर्थियों की कॉपियों में पीडीएफ एडिटर टूल से उत्तर बदलकर उन्हें पास कराया गया था। एक अन्य आरोपी उस्मान ने भी करीब 100 अभ्यर्थियों के अनुचित साधनों के जरिए दोनों परीक्षाएं पास कराने की जानकारी दी है।

सीजीएल परीक्षा : दस्तावेज सत्यापन के लिए जेएसएससी ऑफिस पहुंची सीआईडी

सीजीएल परीक्षा में गड़बड़ी मामले में सीआईडी की टीम शुक्रवार को एक बार फिर नामकुम स्थित जेएसएससी ऑफिस पहुंची। करीब चार घंटे तक कागजातों की जांच की। उधर, शुक्रवार को सीआईडी ने 20 और संदिग्धों से पूछताछ की। अब तक जांच एजेंसी 250 अभ्यर्थियों व संदिग्धों से पूछताछ कर चुकी है। इनसे परीक्षा केंद्र, मूल आवास और मोबाइल नंबर और अन्य जानकारी ली जा रही है। वैसे संदिग्धों का कॉल डिटेल्स भी निकाला जा रहा है, जिनपर सिंडिकेट के संपर्क में रहने का संदेह है।

मोरहाबादी मैदान में गूंजा जय श्रीकृष्ण का नारा मुख्यमंत्री ने किया दही हांडी प्रतियोगिता का शुभारंभ

संवाददाता

रांची : राजधानी रांची के मोरहाबादी मैदान में शुक्रवार को श्री कृष्ण जन्मोत्सव आयोजन समिति, रांची की ओर से श्री कृष्ण जन्मोत्सव एवं दही हांडी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन मुख्य रूप से शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने राज्यवासियों को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं और सभी के सुख, समृद्धि, उन्नति एवं खुशहाली की कामना की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि श्रीकृष्ण जन्मोत्सव मनाने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु यहां एकत्रित हुए हैं। उन्होंने कहा कि वे लगातार ऐसे आयोजनों में लोगों के साथ शामिल होते रहे हैं। मोरहाबादी मैदान में

उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़ ने पूरे माहौल को उत्साह और भक्ति से भर दिया है। उन्होंने जन्मोत्सव में शामिल सभी श्रद्धालुओं और प्रतिभागियों को अपनी ओर से शुभकामनाएं दीं।

आपसी सहयोग की भावना को करमजबूत : हेमंत सोरेन ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण का जीवन और उनके उपदेश मानवता को सत्य, धर्म, प्रेम, करुणा और कर्तव्य के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देते हैं। जन्माष्टमी का पर्व हमें श्रीकृष्ण के आर्दशों को अपने जीवन में अपनाने के साथ समाज में प्रेम, भाईचारा, सद्भाव और आपसी सहयोग की भावना को मजबूत करने का संदेश देता है। मुख्यमंत्री ने कामना की कि भगवान श्रीकृष्ण की कृपा और आशीर्वाद से झारखंड में सुख, शांति, समृद्धि और खुशहाली बनी रहे तथा राज्य निरंतर विकास और उन्नति के पथ पर आगे बढ़ता रहे। इस दौरान मुख्यमंत्री ने श्रीकृष्ण जन्मोत्सव में शामिल प्रतिभागियों को सम्मानित किया और दही हांडी प्रतियोगिता का शुभारंभ किया। प्रतियोगिता को लेकर युवाओं और श्रद्धालुओं में खासा उत्साह देखने को मिला।

फार्म 7 के फर्जीवाड़ा पर संज्ञान ले राज्य निर्वाचन आयोग : मनोज सहाय

मेट्रो रेज संवाददाता

कोडरमा : झारखंड प्रदेश कांग्रेस सचिव मनोज सहाय पिंकू ने झारखंड में चल रहे रक्फ प्रक्रिया में भारतीय जनता पार्टी के इछअ एवं कार्यकर्ताओं द्वारा फार्म 7 द्वारा फजीर्वाड़ा किए जाने पर कड़ी आपत्ति किया है। कहाकि भाजपा के बूथ लेवल एजेंट एक एक बूथ पर, एक समुदाय विशेष के 100 से 200 मतदाताओं का फर्जी फार्म 7 के माध्यम से नाम काटने के लिए आवेदन जमा कर रहे हैं जो घोर आपत्तिजनक है। कहा कि गोड्डा के पंचरुखी एवं महेशटिकरी में स्थानीय लोगों ने भाजपा कार्यकर्ता को 200 फॉर्म 7 के साथ रंगे हाथ पकड़ा जबकि वह वहां के स्थानीय एवं जीवित मतदाताओं का नाम मतदाता सूची से काटने हेतु फर्जी फार्म 7 जमा कर रहा था जहां पत्रकारों के

पूछने पर उसने बताया कि भाजपा के बड़े नेताओं के निर्देश पर यह कार्य कर रहा हूं। इसी प्रकार गढ़वा जिला भवनाथपुर विधानसभा के रमना प्रखंड के बहियार ,नगरउटारी प्रखंड के कधवन, रंका प्रखंड के खपरो मे भी स्थानीय लोगों ने भाजपा के कार्यकर्ताओं एवं बूथ लेवल एजेंट को फर्जी फॉर्म 7 पर जाली हस्ताक्षर के माध्यम से अल्पसंख्यक मतदाताओं का नाम मतदाताओं सूची से काटने हेतु फार्म जमा करते रंगे हाथ पकड़ा है। श्री सहाय ने कहा कि जब महागठबंधन के नेतागण झारखंड प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश एवं झामुमो महासचिव सुप्रीमो भट्टाचार्य द्वारा राज्य निवार्ची पदाधिकारी के रवि कुमार के सम्मुख आपत्ति दर्ज कराई गई तो बताया गया कि किसी भी योग्य मतदाता का नाम बिना जांच किए मतदाता सूची से नहीं कटेगा, जबकि ऐसे फजीर्वाडा करने वाले पर क्या कानून कार्रवाई होगी यह भी एक प्रश्न चिन्ह है। श्री सहाय ने कटाक्ष करते हुए कहा कि जब भारत का निर्वाचन आयोग 95 करोड़ मतदाताओं में 13 करोड़ से अधिक मतदाताओं को फर्जी बताकर नाम कट रही है तो क्या 2024 की मोदी सरकार और लगभग 22 राज्यों में भाजपा की सरकार इन्हीं फर्जी मतदाताओं के बल पर बनी थी।

जुआ अड्डे पर छापेमारी, 10 गिरफ्तार

संवाददाता

बोकारो : चास पुलिस ने जुआ के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए अंसारी मोहल्ला स्थित सुधीर खटाल के पीछे एक खंडहरनुमा मकान में छापेमारी की। पुलिस ने मौके से 10 जुआरियों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से 4,840 रुपये नगद, 10 मोबाइल फोन, ताश की गड्डियां और दरी बरामद की गई है।

इस संबंध में चास थाना के इंस्पेक्टर सह थाना प्रभारी दिनेश कुमार सिंह ने प्रेस वार्ता कर जानकारी दी। उन्होंने कहा कि चास के अंसारी मोहल्ला सुधीर खटाल के पीछे एक खंडहरनुमा मकान में सामाजिक तत्वों के जमावड़े की सूचना मिली थी, इसके सत्यापन के दौरान वहां भारी संख्या में उपस्थित लोग जुआ खेल रहे थे।

उन्होंने कहा कि चारों तरफ से घेराबंदी कर 10 लोगों को गिरफ्तार किया गया है, साथ ही 4840 रुपए भी बरामद किए गए हैं। मालूम हो कि उक्त अड्डे पर लंबे समय से जुआ का धंधा चल रहा था, जुआ का संचालन छोटू नामक एक व्यक्ति करवा रहा था। छोटू के खिलाफ पूर्व में भी प्राथमिकी दर्ज की गई थी, फिलहाल वो जमानत पर है लेकिन पुलिस शीघ्र ही उसे गिरफ्तार करेगी। गिरफ्तार आरोपियों में कुरबान अंसारी, मंटू महतो, हसन अंसारी, दुलाल स्वर्णकार, अजय कुमार रजवार, आलोक चट्टर्जी, रफीक शेख, मनीष कुमार राय, एस के राजा अब्दुल अंसारी शामिल है। जिन्हें पुलिस जेल भेज रही है।

हॉस्पिटल में युवक की मौत, परिजनों ने लगाया इलाज में लापरवाही का आरोप

कोडरमा : जिले के तिलैया थाना क्षेत्र अंतर्गत चित्रगुप्त नगर स्थित जय प्रकाश हॉस्पिटल में इलाज के दौरान 18 वर्षीय युवक की मौत के बाद परिजनों ने जमकर हंगामा किया। मृतक की पहचान तिलैया थाना क्षेत्र के गाझंडी निवासी रहमत अली के रूप में हुई है। परिजनों के अनुसार रहमत फुटबॉल खेल रहा था। इसी दौरान अचानक उसकी सांस फूलने लगी और तबीयत बिगड़ गई। आनन-फानन में उसे सुबह करीब 11 बजे जय प्रकाश हॉस्पिटल लाया गया। परिजनों का आरोप है कि उन्होंने नर्स से तत्काल ऑक्सीजन लगाने की मांग की, लेकिन नर्स ने डॉक्टर के चेकअप का हवाला देते हुए ऑक्सीजन नहीं लगाया। कुछ ही देर बाद रहमत ने दम तोड़ दिया। घटना के बाद आक्रोशित परिजनों ने अस्पताल में हंगामा करते हुए डॉक्टर और नर्स पर गंभीर लापरवाही का आरोप लगाया। उनका कहना था कि समय पर उचित उपचार मिलने से युवक की जान बच सकती थी।

डोमचांच के नए थाना प्रभारी बने शशि, कहा

अपराध पर लगाम लगाना पहली प्राथमिकता

संवाददाता

कोडरमा : डोमचांच थाना के 23वें थाना प्रभारी के रूप में शुक्रवार को शशि भूषण कुमार ने पदभार ग्रहण किया। इससे पहले वे चंदवारा थाना प्रभारी के रूप में अपनी सेवाएं दे रहे थे। शशि भूषण कुमार इससे पूर्व सतगावां और नवलशाही थाना प्रभारी की जिम्मेदारी भी संभाल चुके हैं। उनके कार्यकाल में बेहतर पुलिसिंग एवं उत्कृष्ट कार्य के लिए स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर उपायुक्त उत्कर्ष गुप्ता के हाथों उन्हें सर्वश्रेष्ठ थाना प्रभारी के सम्मान से नवाजा जा चुका है। पदभार ग्रहण करने के बाद थाना प्रभारी शशि भूषण कुमार ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि डोमचांच थाना क्षेत्र में अपराध पर प्रभावी अंकुश लगाना, कानून। व्यवस्था को मजबूत बनाए रखना और आम जनता में सुरक्षा का विश्वास कायम करना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता होगी। उन्होंने कहा कि पुलिस और जनता के

बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर अपराध नियंत्रण को और प्रभावी बनाया जाएगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि अवैध कारोबार, नशे के धंधे और असामाजिक तत्वों के खिलाफ अभियान चलाकर सख्त कार्रवाई की जाएगी। साथ ही फरियाद लेकर थाना पहुंचने वाले लोगों की समस्याओं का त्वरित समाधान करने पर भी विशेष जोर रहेगा। उन्होंने आम लोगों से कानून। व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस का सहयोग करने की अपील की।

जर्जर सड़क निर्माण को लेकर सांसद प्रदीप वर्मा को सौंपा आवेदन

रांची : नामकुम प्रखंड अंतर्गत मौजा आरा साखे टोली ट्रांसफार्मर से न्यू साखे टोली जाने वाली सड़क की जर्जर स्थिति को लेकर स्थानीय लोगों की समस्या अब जनप्रतिनिधियों तक पहुंचाई गई है। शुक्रवार को राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग (झारखंड सरकार) के पूर्व सदस्य एवं भाजपा के वरिष्ठ नेता डॉ राजा राम महतो और वरिष्ठ पत्रकार एवं अधिवक्ता न्यू साखे टोली निवासी मृत्युंजय प्रसाद ने भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय मंत्री एवं राज्यसभा सांसद प्रदीप वर्मा से महिलोंग स्थित उनके आवासीय कार्यालय में मुलाकात कर न्यू साखे टोली वासियों की ओर से आवेदन सौंपा। आवेदन के माध्यम से सांसद को बताया गया कि साखे टोली ट्रांसफार्मर से न्यू साखे टोली तक जाने वाली सड़क काफी दिनों से जर्जर स्थिति में है। सड़क पर बड़े बड़े गड्ढे बन गए हैं और बरसात का पानी जमा होने के कारण स्थानीय ग्रामीणों, महिलाओं, बच्चों एवं बुजुर्गों को आवागमन में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

प्रदेश भाजपा ने छह मोर्चों के अध्यक्ष बदले

सीमा महिला मोर्चा व मनोज भाजपा ओबीसी मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष बने, युवा मोर्चा की तलाश जारी

रांची: झारखंड बीजेपी ने अपने सांगठनिक में फेरबदल करते हुए सात में से छह मोर्चा के अध्यक्ष की घोषणा कर दी। सीमा सिंह को प्रदेश बीजेपी महिला मोर्चा का अध्यक्ष बनाया गया है, इससे पहले वो महिला मोर्चा में महासचिव की जिम्मेदारी निभा रही थी। वहीं प्रदेश मंत्री की जवाबदेही निभा रहे मनोज वाजपेयी महतो को प्रदेश बीजेपी ओबीसी मोर्चा की कमान दी गई है। मांडर से बीजेपी के उम्मीदवार रहे सन्नी टोप्पो को पार्टी ने बड़ी जवाबदेही देते हुए एसटी मोर्चा का कमान दिया है। वहीं जमशेदपुर के मो ताजदार आलम को पार्टी के अल्पसंख्यक मोर्चा का अध्यक्ष बनाया गया है। बोकारो के रहने वाले अर्जुन सिंह को किसान मोर्चा का प्रदेश अध्यक्ष और रंजन भारती को एससी मोर्चा का अध्यक्ष बनाया गया है। संगठन में ढ़ाई वर्षो के बाद मोर्चा के अध्यक्ष बदले गए हैं। आदित्य साहू ने आठ महीने बाद नयी टीम की घोषणा की है। बीजेपी युवा मोर्चा अध्यक्ष की दौड़ से शशांक बाहर: इधर, युवा मोर्चा अध्यक्ष को फिलहाल होल्ड पर रखा गया है। निवर्तमान अध्यक्ष शशांक राज को प्रदेश बीजेपी कार्यसमिति का सदस्य बनाया गया है। कार्यसमिति में उनका नाम आने के साथ ही यह लगभग तय हो गया कि उन्हें दोबारा युवा मोर्चा अध्यक्ष नहीं बनाया जाएगा। हालांकि नए अध्यक्ष के नाम पर संगठन के स्तर पर एक राय अभी तक नहीं बन पाई है। अध्यक्ष पद के लिए शशांक राज के अलावा श्रीनिवास और अजातशत्रु के नाम पर भी विचार हुआ है। संगठन के अंदर किसी एक नाम पर एकराय नहीं बन पाई है।

धार्मिक स्थलों पर जाने वाली ट्रेनें फुल, नहीं मिल रहा कंफर्म टिकट

दशहरे की छुट्टियों में रांची के लोगों का टूर प्लान तैयार

ट्रेनों में तेजी से भर रही हैं सीटें, विमानों का किराया भी बढ़ा

संवाददाता

रांची : दशहरे की छुट्टियों में इस बार रांची के लोगों का सफर सिर्फ घूमने-फिरने तक सीमित नहीं है, बल्कि धार्मिक स्थलों के दर्शन पर निकलने की तैयारी भी तेज हो गई है। परिवार के साथ छुट्टियां बिताने और धार्मिक स्थलों पर जाने के लिए लोगों ने ट्रेन, फ्लाइट और बसों में अभी से टिकट बुक कराना शुरू कर दिया है। इसका असर बुकिंग पर साफ दिखाई दे रहा है।

8 से 20 अक्टूबर के बीच प्रयागराज, पुरी, देवघर, जम्मू और दिल्ली जाने वाली कई ट्रेनों में सीटें तेजी से भर रही हैं। कई ट्रेनों में स्लीपर की ज्यादातर सीटें फुल हो चुकी हैं, तो किसी में एसी श्रेणी में गिनी-चुनी सीटें ही बची हैं। कई ट्रेनों में वेटिंग और आरएसी की स्थिति भी बन गई है। वहीं फ्लाइट्स में भी डिमांड बढ़ने और डायनेमिक फेयर के कारण किराया बढ़ने लगा है।

खास बात यह है कि यात्रियों की पसंद में इस बार धार्मिक शहर सबसे ऊपर नजर आ रहे हैं। कोई काशी विश्वनाथ मंदिर और अयोध्या में रामलला के दर्शन की तैयारी कर रहा है, तो कोई पुरी के जगन्नाथ मंदिर व देवघर के बाबा बैद्यनाथ धाम जाने की योजना बना रहा है। दशहरे की लंबी छुट्टियों ने इस धार्मिक पर्यटन को और रफ्तार दे दी है। ट्रेनों में बढ़ती बुकिंग बता रही है कि इस बार रांची से बड़ी संख्या में लोग देव दर्शन के साथ दशहरा मनाने की तैयारी में हैं।

दुर्गा पूजा में कोलकाता का हवाई किराया बढ़ा: कोलकाता में दुर्गा पूजा के भव्य पंडालों को देखने के लिए इस बार भी देशभर से बड़ी संख्या में लोगों के पहुंचने की उम्मीद है। इसका असर हवाई किराए पर भी दिखने लगा है। कोलकाता आने वाले यात्रियों की संख्या बढ़ने से हवाई टिकटों की मांग बढ़ गई है। 16 से 24 अक्टूबर तक कोलकाता का सामान्य फ्लाइट किराया 5500 से 10000 रुपए तक पहुंच गया है। सामान्य दिनों में इसी रूट का किराया करीब 4,000 रुपए रहता है। यानि पूजा के दौरान यात्रियों को करीब 1500 से 6000 रुपए तक अधिक खर्च करने पड़ रहे हैं। इसका असर अन्य प्रमुख शहरों के किराए पर भी पड़ा है। दिल्ली, चेन्नई, भुवनेश्वर, मुंबई और पटना के लिए फ्लाइट किराया सामान्य दिनों की तुलना में 10 से 25 प्रतिशत तक अधिक है। ऐसे में पूजा के दौरान कोलकाता आने-जाने की योजना बना रहे यात्रियों को टिकट के लिए अधिक राशि खर्च करनी पड़ेगी।

बढ़ी बुकिंग, दशहरा में बसें फुल होने की उम्मीद : एसोसिएशन

टूर एंड ट्रैवल एजेंट एसोसिएशन ऑफ झारखंड के अध्यक्ष अमरदीप सहाय ने बताया कि ट्रेन में बुकिंग खुलते ही यात्री तेजी से टिकट करा रहे हैं। इस बार धार्मिक स्थलों की ओर जाने का रुझान अधिक है। बसों को लेकर पूछताछ शुरू हो गई है। यात्री वाराणसी, देवघर, छत्तीसगढ़ और कोलकाता के लिए जानकारी ले रहे हैं। सहाय के अनुसार, 5 अक्टूबर के बाद दशहरे की छुट्टियों में बसों में भारी भीड़ रहेगी। अगले कुछ दिनों में बसों की सीटें तेजी से बुक हो सकती हैं। वहीं, 7-8 अक्टूबर से लेकर विजयादशमी तक ट्रेनों की बुकिंग में भी तेजी आई है और कई ट्रेनों में वेटिंग चल रही है। कोलकाता में देश का सबसे बड़ा दुर्गा पूजा आयोजन होने के कारण रांची से कोलकाता के लिए भी बड़ी संख्या में लोग बुकिंग करा रहे हैं।

जेपीएससी के पूर्व अध्यक्ष एल ख्यांग्ते की जमानत याचिका खारिज

मेट्रो रेज

रांची : जेपीएससी परीक्षा में कथित गड़बड़ी मामले में जेल में बंद पूर्व मुख्य सचिव और जेपीएससी के पूर्व अध्यक्ष एल ख्यांग्ते की जमानत याचिका अपर न्यायायुक्त योगेश कुमार की अदालत ने खारिज कर दी है। पूर्व दोनों पक्षों की ओर से सुनवाई पूरी होने के बाद अदालत ने फैसला सुरक्षित रखा था।

याचिकाकर्ता की ओर से कहा गया था कि एल ख्यांग्ते के खिलाफ कोई साक्ष्य नहीं है। छापेमारी में भी उनके खिलाफ कोई सबूत नहीं मिला है। वहीं सीआईडी की ओर से बताया गया टीडीपीएल को परीक्षा आयोजन का कार्य देने में उनकी भूमिका रही है। टीडीपीएल की ओर से ली

जाने वाली परीक्षाओं में पारदर्शिता नहीं बरती जा रही है, इसकी पूरी जानकारी उन्हें थी। लेकिन उन्होंने कोई एक्शन नहीं लिया।

ख्यांग्ते की ओर से वरीय अधिवक्ता अनिल कुमार और अधिवक्ता चंदना कुमारी ने पक्ष रखा था। जांच में एल ख्यांग्ते पर टीडीपीएल से कथित तौर पर 2 करोड रुपए कमीशन लेने का आरोप लगाया गया है। बताते

जेंपीएससी परीक्षा घोटाला : बुद्धेश्वर भगत की जमानत पर सुनवाई, अगली तारीख तय

रांची : जेपीएससी परीक्षा घोटाला मामले में जेल में बंद आरोपी बुद्धेश्वर भगत की जमानत याचिका पर शनिवार को रांची स्थित सीआईडी की विशेष अदालत में सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान अदालत ने केस डायरी का अवलोकन किया और मामले में अगली सुनवाई के लिए तारीख निर्धारित कर दी। बुद्धेश्वर भगत की ओर से अधिवक्ता कुंदर कुमार वर्मा ने जमानत याचिका दाखिल की है। सीआईडी ने उसे 5 अगस्त 2026 को गिरफ्तार किया था। वह लोहरदगा जिले के बेजवाली गांव का रहने वाला बताया गया है। जांच के अनुसार, बुद्धेश्वर भगत वर्ष 2008 से नामकुम स्थित राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) कार्यालय में संविदा पर कंप्यूटर ऑपरेटर के रूप में कार्यरत था। नौकरी के साथ वह जमीन की खरीद-बिक्री का काम भी करता था। आरोपों के मुताबिक, वर्ष 2022-23 के दौरान उसकी मुलाकात अभय कुमार तिवारी से हुई। बताया जाता है कि अभय तिवारी एनएचएम में आउटसोर्सिंग का काम हासिल करने के सिलसिले में वहां आया था। इसके बाद दोनों के बीच संपर्क बढ़ा। सीआईडी की जांच में आरोप लगाया गया है कि बाद में दोनों के बीच नजदीकी बढ़ी और कथित मिलीभगत के जरिए जेपीएससी परीक्षा से जुड़े घोटाले को अंजाम दिया गया। मामले में जांच एजेंसी की ओर से जुटाए गए साक्ष्यों और केस डायरी के आधार पर अदालत में आगे की कार्रवाई चल रही है। शनिवार को हुई सुनवाई में अदालत ने केस डायरी का अवलोकन करने के बाद अगली सुनवाई की तारीख तय की। अब बुद्धेश्वर भगत की जमानत याचिका पर आगे की सुनवाई निर्धारित तारीख पर होगी।

चलें कि सीआईडी ने परीक्षा में अनियमितता को लेकर कांड संख्या 16/2026 दर्ज किया है। इसी मामले की जांच के दौरान एजेंसी ने एल ख्यांग्ते को गिरफ्तार किया था। रिमांड पर लेकर उनसे पूछताछ भी की गई थी, उसके बाद से वे जेल में बंद हैं। इस केस में अब तक 20 से अधिक लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी है।

जेपीएससी नियुक्ति घोटाले के किंगपिन अभय तिवारी ने जो स्वीकारोक्ति बयान सीआईडी के अधिकारियों के समक्ष दिया है, उसमें उसने पूर्व चेयरमैन एल ख्यांग्ते का घोटाले में शामिल होने का उल्लेख किया है। साथ ही कहा है कि टीडीपीएल को परीक्षा आयोजित करने की एजेंसी के रूप में चयन करने में ख्यांग्ते की अहम भूमिका है।

पत्रकारों के साथ कथित दुर्व्यवहार के विरोध में प्रदर्शन, निष्पक्ष जांच की मांग

गुलाम शाहिद

रांची: राजधानी दिल्ली और रांची में पत्रकारों के साथ कथित दुर्व्यवहार और पुलिस कार्रवाई के विरोध में अल्बर्ट एक्का चौक पर पत्रकारों ने जोरदार प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान पत्रकारों ने निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करने और मीडियाकर्मियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग उठाई।

प्रदर्शन में शामिल पत्रकारों ने दिल्ली के पत्रकार शाहीन खान और नफीसा खान के साथ साकेत पुलिस द्वारा कथित मारपीट और थर्ड डिग्री टॉर्चर किए जाने के आरोपों पर नाराजगी जताई। पत्रकारों का कहना था कि यदि मीडियाकर्मियों के साथ इस तरह का व्यवहार होता है तो यह प्रेस की स्वतंत्रता और लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए गंभीर चिंता का विषय है।

वहीं, रांची में पिछले दिनों डुमरी विधायक जयराम महतो के समर्थकों पर एक महिला पत्रकार के साथ कथित अभद्रता करने और उसके कैमरे से जबरन मेमोरी कार्ड निकालने का आरोप लगाया गया था। पत्रकारों ने इस मामले की भी निष्पक्ष जांच और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।

प्रदर्शन के दौरान पत्रकारों ने कहा कि समाचार संकलन के दौरान मीडियाकर्मियों के साथ दुर्व्यवहार और उनके काम में बाधा डालना किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं है। पत्रकारों की सुरक्षा के लिए प्रभावी व्यवस्था करने की भी मांग की गई।

मौके पर बड़ी संख्या में स्थानीय और ग्रामीण पत्रकार मौजूद रहे। प्रदर्शनकारियों ने पत्रकारों की सुरक्षा, प्रेस की स्वतंत्रता और निर्भीक होकर समाचार संकलन का माहौल सुनिश्चित करने को लेकर आवाज बुलंद की। मौके पर पूर्व अध्यक्ष रांची प्रेस क्लब राजेश कुमार सिंह, पूर्व अध्यक्ष सुरेंद्र सोरेन, रांची प्रेस क्लब के उपाध्यक्ष विपिन उपाध्याय, पप्पू जैन, अमित कुमार, आशीष कुमार, अलीशा, शैलेश सिंह, अलोक गुप्ता, मो इमरान, दानिश अयाज, शाहिन अहमद, फिरोज जिलानी, रमीज, नीइम गुलाम शाहिद समेत कई लोग उपस्थित थे।

शिक्षक दिवस पर अल हेरा पब्लिक स्कूल डोरंडा में कार्यक्रम

मेट्रो रेज

रांचीः शिक्षक दिवस के अवसर पर अल हेरा पब्लिक स्कूल, डोरंडा, रांची में विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में शिक्षकों के सम्मान के साथ शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डाला गया।

इस अवसर पर विद्यालय के निदेशक अकिलुर रहमान एवं प्राचार्या नौशाद परवीन ने शिक्षक दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि शिक्षा केवल किताबी ज्ञान तक सीमित नहीं है, बल्कि यह इंसान को बेहतर इंसान और जिम्मेदार नागरिक बनाने की प्रक्रिया है। शिक्षक इस प्रक्रिया का सबसे महत्वपूर्ण और सम्मानित स्तंभ हैं।

कार्यक्रम में कहा गया कि जिस समाज में शिक्षकों का

सम्मान होता है, वही समाज निरंतर प्रगति करता है। बच्चों को शिक्षा के साथ संस्कार, अनुशासन और दूसरों के प्रति सम्मान की भावना सिखाना भी जरूरी है। एक अच्छी शिक्षा ही बच्चों को बेहतर नागरिक बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।विद्यालय परिवार ने शिक्षकों के योगदान को सराहते हुए कहा कि शिक्षा वह रोशनी है जो अंधकार को दूर करती है और सम्मान वह संस्कार है जो इस रोशनी को और खूबसूरत बनाता है।

कार्यक्रम के दौरान शिक्षकों के प्रति सम्मान एवं आभार व्यक्त किया गया। विद्यालय प्रबंधन ने सभी शिक्षकों को शिक्षक दिवस की बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। बच्चों के द्वारा रंगारंग कार्यक्रम पेश किये गए। इस मौके स्कूल परिवार से जुड़े सभी लोग उपस्थित थे।

हटिया में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव का आगाज, 9 सितंबर तक होंगे कार्यक्रम

पूजा पंडाल और मेले का हुआ उद्घाटन

संवाददाता

रांचीः हटिया स्थित डीआरएम ऑफिस और रेलवे स्टेशन के सामने दुर्गा पूजा मैदान में आयोजित हटिया जन्माष्टमी पूजा समिति के श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव का विधिवत शुभारंभ हुआ। पूजा पंडाल और मेले का उद्घाटन समिति के पदाधिकारियों और गणमान्य अतिथियों ने किया।

उद्घाटन समारोह में भगवान श्रीकृष्ण की पूजा-अर्चना कर क्षेत्रवासियों के सुख, शांति और समृद्धि की कामना की गई। इस दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु और स्थानीय लोग मौजूद रहे।

9 सितंबर तक होंगे कई कार्यक्रमः हटिया जन्माष्टमी पूजा समिति की ओर से 4 से 9 सितंबर तक विभिन्न धार्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। महोत्सव के दौरान फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता, डांस प्रतियोगिता और दही हांडी प्रतियोगिता का आयोजन होगा।

इस्कॉन रांची की ओर से भजन-कीर्तनः इसके अलावा इस्कॉन रांची की ओर से भजन-कीर्तन और छठी कार्यक्रम भी आयोजित किया जाएगा। समिति की ओर से श्रद्धालुओं के लिए कई अन्य आकर्षक कार्यक्रम भी रखे गए हैं।

आरती के बाद मिलेगा भोग प्रसाद : समिति के अनुसार, महोत्सव के दौरान प्रत्येक दिन संध्या आरती के बाद श्रद्धालुओं के बीच भोग प्रसाद का वितरण किया जाएगा। कार्यक्रम में हटिया जन्माष्टमी पूजा समिति के अध्यक्ष इंद्रजीत सिंह, सचिव चंदन यादव सहित समिति के सभी पदाधिकारी और सदस्य मौजूद रहे। इस दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भी महोत्सव में हिस्सा लिया।

मेट्रो रेज ने पूरे किए दस वर्ष, टीम को बधाई

रांची(गुलाम शाहिद) : राजधानी रांची के लोकप्रिय सांध्य दैनिक मेट्रो रेज ने पत्रकारिता के क्षेत्र में अपने दस वर्ष पूरे कर लिए हैं। इस दौरान अखबार ने खबरों की विश्वसनीयता, निष्पक्षता और जनसरोकार से जुड़े मुद्दों को प्रमुखता से उठाते हुए पाठकों के बीच अपनी अलग पहचान बनाई है। दसवीं वर्षगांठ के अवसर पर जेके न्यूज नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड के चेयरमैन जितेंद्र सिंह, प्रधान संपादक दिवाकर नाथ शाहदेव, निदेशक जेशु प्रधान समेत पूरी टीम को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं । दस वर्षों तक पाठकों का भरोसा बनाए रखना संस्थान की बड़ी उपलब्धि है।मेट्रो रेज के रिपोर्टर गुलाम शाहिद ने कहा, ह्मेट्रो रेज के साथ बिताया यह सफर मेरे लिए सिर्फ पत्रकारिता का सफर नहीं, बल्कि एक अपने परिवार के साथ आगे बढ़ने जैसा रहा है। इस संस्थान ने हमें खबरों के साथ लोगों से जुड़ने और उनकी आवाज को सामने लाने का अवसर दिया। मेट्रो रेज के दस वर्ष पूरे होना हम सभी के लिए गर्व और खुशी का पल है। पूरी टीम को मेरी दिल से बधाई और आने वाले वर्षों के लिए ढेरों शुभकामनाएं।

राज्यपाल आज करेंगे नमो दही हांडी प्रतियोगिता का उद्घाटन

संवाददाता

रांची: अलबर्ट एक्का चौक (मेन रोड) पर शुक्रवार को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव समिति, रांची की ओर से दो दिवसीय श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव का शुभारंभ हुआ। मुख्य संरक्षक सह रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ के सानिध्य में आयोजित महोत्सव के पहले दिन श्रीकृष्ण की झांकी सह बाल गोपाल प्रतियोगिता हुई। इसका उद्घाटन संजय सेठ, संरक्षक सीपी सिंह, अजय मारू, अध्यक्ष मुकेश काबरा, मेयर रोशनी खलखो और उप महापौर नीरज कुमार व अन्य ने किया। प्रतियोगिता में दो से 12 वर्ष तक के 150 से अधिक बच्चे शामिल हुए। आयोजन स्थल को वंदे मातरम की थीम पर सजाया गया है। पहले दिन श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव पर समिति की ओर से मोटे अनाज का भोग लगाया गया। कन्हैया इवेंट के 40 से अधिक कलाकारों ने कृष्ण जन्मोत्सव, राधा-कृष्ण की लीलाएं, महारास, फूलों की होली और शंकर-पार्वती का तांडव नृत्य प्रस्तुत किये। मथुरा, वृंदावन और कोलकाता के कलाकारों ने वंदे मातरम, रासलीला, नृत्य-नाटिका और भारत माता की प्रस्तुति से दर्शकों का मन मोह लिया।

आज राज्यपाल करेंगे नमो दही हांडी प्रतियोगिता का उद्घाटनः मुख्य संरक्षक संजय सेठ व अध्यक्ष मुकेश काबरा ने बताया शनिवार को शाम तीन बजे नमो दही हांडी प्रतियोगिता का उद्घाटन मुख्य अतिथि राज्यपाल संतोष गंगवार करेंगे। प्रतियोगिता में 18 वर्ष से कम उम्र के गोविंदा भाग नहीं ले सकेंगे। समिति के अध्यक्ष मुकेश काबरा, मीडिया प्रभारी प्रमोद सारस्वत व संजय पोद्दार ने लोगों से कार्यक्रम में शामिल होने की अपील की।

मथुरा से पहुंचे आराध्या और शिवांशः रांची में पहली बार प्रस्तुति देने मथुरा से आराध्या और शिवांश पहुंचे। आराध्या पिछले 10 वर्षों से, जबकि शिवांश पांच वर्षों से जन्माष्टमी पर राधा-कृष्ण की भूमिका निभा रहे हैं। दोनों अपनी 15 सदस्यीय मंडली के साथ रांची पहुंचे हैं।

7 सितंबर को कांग्रेस का विशाल मार्च

मेट्रो रेज

रांची: खान एवं खनिज (विकास एवं विनियमन) संशोधन विधेयक 2026 तथा अयोध्या श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के चंदे में कथित अनियमितताओं के विरोध में झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमिटी 7 सितंबर को राज्यस्तरीय विशाल मार्च एवं प्रदर्शन करेगी। कार्यक्रम पूर्वाह्न 11 बजे लोक भवन, रांची के समक्ष आयोजित होगा। इसमें झारखंड प्रभारी के। राजू, सह-

प्रभारी डॉ सिरिवेल्ला प्रसाद एवं भूपेंद्र मरावी सहित पार्टी के वरिष्ठ नेता शामिल होंगे।

प्रदेश प्रवक्ता विजय शंकर नायक ने कहा कि झारखंड के जल, जंगल, जमीन और खनिज संसाधनों पर राज्य की जनता के हितों की रक्षा जरूरी है। उन्होंने मंदिर के चंदे में लगाए गए कथित अनियमितता के आरोपों की निष्पक्ष जांच और जवाबदेही की मांग की। नायक ने कांग्रेस नेताओं और कार्यकताओं से बड़ी संख्या में मार्च में शामिल होने की अपील की।

आचार्यकुल-अरका जैन विवि के संयुक्त मंच से श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर आदर्श शिक्षक एवं आचार्य परंपरा का संदेश

श्रीकृष्ण अर्थात हर परिस्थिति में जागृत रहना

मेट्रो रेज

रांची: श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के पावन अवसर पर आचार्यकुल झारखंड एवं अरका जैन विश्वविद्यालय, झारखंड के संयुक्त तत्वावधान में अरका जैन विश्वविद्यालय के सिटी ऑफिस, लालपुर, रांची में एन आइडल टीचर इज ए फॉलोअर ऑफ द आचार्यपरंपरा विषय पर विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में श्रीकृष्ण के जीवन-दर्शन, प्रेम, शिक्षा, कर्तव्य, जागरूकता, मानवीय मूल्यों तथा भारतीय आचार्य परंपरा को वर्तमान शिक्षा व्यवस्था से जोड़ते हुए शिक्षकों की भूमिका पर सार्थक चर्चा हुई।

कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन, श्रीकृष्ण आरती, भजन, हनुमान चालीसा एवं शांति पाठ के साथ हुआ। आचार्यकुल झारखंड के उपाध्यक्ष डा वासुदेव प्रसाद एवं उपस्थित सभी अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर भगवान श्रीकृष्ण की आरती एवं पुष्प अर्पित कर वंदना की।

अपने संबोधन में डॉ वासुदेव प्रसाद ने कहा कि श्रीकृष्ण का अर्थ ही हर परिस्थिति में जागृत रहना है। उन्होंने कहा कि श्रीकृष्ण ने जीवन की प्रत्येक परिस्थिति में सजगता, विवेक, धैर्य और कर्तव्य का परिचय दिया। परिस्थितियां चाहे कितनी भी चुनौतीपूर्ण रही हों, उन्होंने जागृत चेतना के साथ उचित निर्णय लेकर धर्म, प्रेम और लोकमंगल का मार्ग प्रशस्त किया। उन्होंने कहा कि एक आदर्श

शिक्षक के लिए भी अपने विद्यार्थियों, समाज और बदलती परिस्थितियों के प्रति सदैव जागृत एवं संवेदनशील रहना आवश्यक है।

कार्यक्रम में रांची के पुरुषोत्तम कुमार ने आचार्यकुल का सामूहिक गीत प्रस्तुत कर सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। इसके बाद आचार्यकुल झारखंड के महामंत्री डॉ ओम प्रकाश ने विषय प्रवेश कराते हुए कहा कि श्रीकृष्ण का जीवन प्रेम, ज्ञान, कर्तव्य, समर्पण और लोकमंगल का संदेश देता है। विषय की व्याख्या करते हुए उन्होंने कहा कि आदर्श शिक्षक केवल पुस्तकीय ज्ञान देने वाला नहीं, बल्कि अपने आचरण से विद्यार्थियों को जीवन जीने की कला सिखाने वाला मार्गदर्शक होता है।

अरका जैन विश्वविद्यालय के डॉ प्रभात भास्कर एवं दीनबंधु सिंह ने स्वागत उद्बोधन करते हुए श्रीकृष्ण जन्माष्टमी की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि श्रीकृष्ण का संदेश प्रेम, सद्भाव, सहयोग और मानवता को जोड़ने वाला है। शिक्षा का उद्देश्य केवल रोजगार प्राप्त करना नहीं, बल्कि संवेदनशील, संस्कारवान एवं जिम्मेदार नागरिक तैयार करना भी है। इस अवसर पर आचार्यकुल झारखंड की उपाध्यक्ष डा चित्रा शर्मा ने शिक्षक के व्यक्तित्व में प्रेम, संवेदना एवं मानवीय मूल्यों की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। डॉ कमल बॉस सहित अन्य शिक्षाविदों ने भी अपने उद्गार व्यक्त करते हुए श्रीकृष्ण के जीवन-दर्शन और भारतीय आचार्य परंपरा से प्रेरणा लेने पर बल दिया।

कार्यक्रम में डॉ संध्या, डॉ उपेंद्र, डॉ प्रियंका, डॉ चित्रा शर्मा, डॉ पुरुषोत्तम, निरंजन, शुभम चौधरी, डॉ प्रभात भास्कर, धर्मेंद्र कुमार साहू, दीनबंधु सिंह, नवनीत, इकरामुल, सीमा, डॉ मीना बंधन, डॉ सिंपी, डॉ अमित, आशीष झा, डॉ शीतल, मनोज कुमार श्रीवास्तव, सोनल थेपरा वर्मा, कल्पना कौशल, डॉ रंजीत कुमार, रंजन कुमार, आभा तिवारी, डॉ वासुदेव प्रसाद एवं डॉ कमल बॉस सहित अनेक शिक्षाविद उपस्थित रहे।

वक्ताओं ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण का जीवन प्रेम, शिक्षा, कर्तव्य, जागरूकता, नेतृत्व और मानवता का अद्भुत समन्वय है। आज के समय में शिक्षक यदि श्रीकृष्ण के जीवन-दर्शन से प्रेरणा लेकर विद्यार्थियों में प्रेम, अनुशासन, कर्तव्यबोध, सहिष्णुता, जागरूकता और सामाजिक समरसता के संस्कार विकसित करें, तो शिक्षा वास्तविक अर्थों में राष्ट्र निर्माण का माध्यम बन सकती है। वक्ताओं ने मेल-मिलाप, आपसी सद्भाव और समाज को जोड़ने वाली शिक्षा को वर्तमान समय की महत्वपूर्ण आवश्यकता बताया।

कार्यक्रम में रांची की कवयित्रियों, कवियों, लेखकों, शिक्षक प्रशिक्षकों, विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों ने भी आज के विषय पर अपने विचार साझा किए। प्रतिभागियों ने श्रीकृष्ण के प्रेम, शिक्षा एवं आचार्य परंपरा को वर्तमान शिक्षा व्यवस्था से जोड़ते हुए अपने विचार प्रस्तुत किए।

इस अवसर पर सभी आगत अतिथियों एवं अरका जैन विश्वविद्यालय के अधिकारियों को अंगवस्त्रम एवं डायरी देकर सम्मानित किया गया। आचार्यकुल झारखंड के उपाध्यक्ष द्वय डॉ वासुदेव प्रसाद एवं डॉ चित्रा शर्मा ने संयुक्त रूप से सभी आगत अतिथि को शिक्षक सम्मान एवं श्रीकृष्ण सम्मान से प्रदान किया।

कार्यक्रम के दौरान अतिथियों का परिचय डॉ ओम प्रकाश ने कराया। उन्होंने बताया कि रांची विश्वविद्यालय, ऊषा मार्टिन विश्वविद्यालय, इकफाई विश्वविद्यालय, विद्या भारती विद्यालय, आचार्यकुलम विद्यालय, साहित्यिक मंच एवं डाइट रांची सहित विभिन्न शैक्षणिक एवं साहित्यिक संस्थानों से कुल लगभग 50 शिक्षाविदों की उपस्थिति रही।

कार्यक्रम के अंत में अरका जैन विश्वविद्यालय के शुभम चौधरी ने धन्यवाद ज्ञापन करते हुए सभी अतिथियों, शिक्षाविदों, शिक्षक प्रशिक्षकों, विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगीत वंदे मातरम् एवं राष्ट्रगान के सामूहिक गायन के साथ हुआ।

राधा कृष्ण व खाटू श्याम मंदिर धुर्वा में भक्ति और उल्लास के साथ मनी जन्माष्टमी

श्री कृष्ण के जीवन और उनके उपदेशों को अपने जीवन में करें आत्मसात : सुनील कुमार

मेट्रो रेज

रांचीः श्री कृष्ण जन्माष्टमी के पावन अवसर पर राधा कृष्ण एवं खाटू श्याम मंदिर इंद्रा क्लब, धुर्वा, रांची में श्री कृष्ण जन्मोत्सव श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के साथ बड़े हीं धूमधाम से मनाई गई। इस अवसर पर मंदिर को बड़े हीं आकर्षक ढंग से सजाया गया था। जन्माष्टमी को लेकर मंदिर संस्थापक धीरेंद्र सिंह, आयोजक संतोष कुमार सिंह एवम रेखा सिंह के द्वारा विशेष तैयारी की गई थी। श्री कृष्ण के बाल स्वरूप की विशेष पूजाझ अर्चना को लेकर श्रद्धालुओं में खासा उत्साह देखने को मिला। महिलाओं एवं पुरुषों ने दिनभर उपवास रखकर भगवान श्री कृष्ण की आराधना की, और मध्य रात्रि में कन्हैया के जन्म के उपरांत विधिवत पूजा अर्चना कर व्रत तोड़ा। देर रात तक भजन कीर्तन, धार्मिक अनुष्ठान और जन्मोत्सव कार्यक्रम का दौर चलता रहा। जैसे हीं मध्य रात्रि में श्री कृष्ण के जन्म का समय हुआ मंदिर परिसर घंटियां और शंखनाद से गूंज उठा। भक्तगण श्री कृष्ण के

भक्ति में लीन दिखे, तथा नंद के घर आनंद भयो जय कन्हैया लाल की... जय श्री श्याम, राधे राधे के नारे से मंदिर परिसर गुंजायमान हो उठा। पूजा के पश्चात प्रसाद वितरण किया गया।

इस अवसर पर भाजपा नेता सह राष्ट्र सेवा फाउंडेशन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सुनील कुमार सिंह, धर्मपत्नी समाजसेवी रूबी सिंह, सुपुत्र अशेष आनंद, धर्मप्रेमी संतोष कुमार सिंह, धर्मपत्नी नीतू सिंह, सुपुत्र आदि, जिगर, थाना प्रभारी अमित कुमार, धर्मपत्नी नीलम शर्मा, झारखंड विधानसभा एचओ सच्चिदानंद सिंह, धर्मपत्नी रेनू सिंह, शिक्षक दिलीप सिंह, भोजपुरी गायक सुजीत सिंह, रेखा यादव, अनुज सिंह कुशवाहा सहित कई अन्य भक्तगण मौजूद रहे। इस अवसर पर भाजपा नेता सह राष्ट्र सेवा फाउंडेशन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सुनील कुमार सिंह ने समस्त राष्ट्रप्रेमियों, धर्मप्रेमियों एवं सनातन प्रेमियों को श्री कृष्ण जन्माष्टमी की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए सभी के सुख, समृद्धि, उन्नति एवं खुशहाली की कामना की। इस मौके पर सुनील सिंह ने कहा कि भगवान श्री कृष्ण का जीवन और उनके उपदेश मानवता को सत्य, धर्म, प्रेम, करुणा एवं कर्तव्य के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देते हैं। कहा कि जन्माष्टमी का पर्व हमें भगवान श्री कृष्ण के आदर्शों को अपने जीवन में आत्मसात करने तथा समाज में प्रेम, भाईचारा, सद्भाव और आपसी सहयोग की भावना को मजबूत करने का संदेश देता है।

सुविचार

सबसे मुश्किल रास्ता वह होता है जब आपको अकेले चलना पड़ता है, लेकिन वही रास्ता आपको मजबूत भी बनाता है।

समाज के मार्गदर्शक होते हैं शिक्षक

शिक्षक हमारे जीवन में सिर्फ किताबों का ज्ञान नहीं बल्कि सही दिशा दिखाने वाले मार्गदर्शक भी होते हैं। बचपन की शिक्षा से लेकर करियर बनने तक वह हमें सीखने, समझने और आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हैं। इसीलिए हमारे देश में शिक्षकों को भगवान से भी ऊपर का दर्जा दिया गया है। शिक्षकों को सम्मान देने के लिए प्रतिवर्ष 5 सितंबर शिक्षक दिवस के लिए रूप में मनाया जाता है। शिक्षक हमें जीवन में सफलता के लिए आवश्यक ज्ञान और कौशल देते हैं। शिक्षक हमारे व्यक्तित्व को तैयार करते हैं। चरित्र को ढालने और मूल्यों को स्थापित करने में मदद करते हैं। हमें एक अच्छा नागरिक भी मनाने में मदद करते हैं। शिक्षक ही है जो छात्रों को जीवन का नया अर्थ सिखाता है। वे हमें सही रास्ता दिखाते हैं और कुछ भी गलत करने से रोकते हैं। वे बाहर से देख सकते हैं। वे प्रत्येक छात्र की देखभाल करते हैं और उनके विकास की कामना करते हैं। उस छात्र को मत भूलो जो छात्र अपने शिक्षकों का सम्मान नहीं करता है। वह जीवन में कभी आगे नहीं बढ़ता है। शिक्षक छात्र के व्यक्तित्व को ढालते हैं। वे एकमात्र निःस्वार्थ व्यक्ति हैं जो खुशी-खुशी बच्चों को अपना सारा ज्ञान देते हैं। कहा जाता है कि गुरु के बिना ज्ञान अधूरा रहता है। यह बात बिल्कुल सत्य है। हर देश में शिक्षक दिवस को मनाने की तारीख अलग-अलग है। चीन में 10 सितम्बर तो अमेरिका में 06 मई, ऑस्ट्रेलिया में अक्तूबर का अंतिम शुक्रवार, ब्राजील में 15 अक्तूबर और पाकिस्तान में 05 अक्तूबर को शिक्षक दिवस मनाया जाता है। इसके अलावा ओमान, सीरिया, मिस्त्र, लीबिया, संयुक्त अरब अमीरात, यमन, सऊदी अरब, अल्जीरिया, मोरक्को और कई इस्लामी देशों में 28 फरवरी को शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाता है। लेकिन भारत में शिक्षक दिवस को देश के दूसरे राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती के उपलक्ष्य में 5 सितंबर 1962 से शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाता है। डॉक्टर सर्वपल्ली राधाकृष्णन ने अपने छात्रों से अपने जन्मदिन को शिक्षक दिवस के रूप में मनाने की इच्छा जताई थी। डॉ राधाकृष्णन का जन्म पांच सितम्बर 1888 को तमिलनाडु के तिरुमनी गांव में हुआ था। वे बचपन से ही किताबें पढ़ने के शौकीन थे और स्वामी विवेकानंद से काफी प्रभावित थे। डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन एक महान शिक्षक थे। जिन्होंने अपने जीवन के 40 वर्ष अध्यापन पेशे को दिया है। वो विद्यार्थियों के जीवन में शिक्षकों के योगदान और भूमिका के लिये प्रसिद्ध थे। इसलिये वो पहले व्यक्ति थे जिन्होंने शिक्षकों के बारे में सोचा और हर वर्ष 5 सितंबर को शिक्षक दिवस के रुप में मनाने का अनुरोध किया। उनका निधन 17 अप्रैल 1975 को चेन्नई में हुआ था। डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन ने 1909 में चेन्नई के प्रेसिडेंसी कॉलेज में अध्यापन पेशे में प्रवेश करने के साथ ही दर्शनशास्त्र शिक्षक के रुप में अपने करियर की शुरूआत की थी। उन्होंने बनारस, चेन्नई, कोलकाता, मैसूर जैसे कई प्रसिद्ध विश्वविद्यालयों तथा विदेशों में लंदन के ऑक्सफोर्ड जैसे विश्वविद्यालयों में दर्शनशास्त्र पढ़ाया था। अध्यापन पेशे के प्रति अपने समर्पण की वजह से उन्हें 1949 में विश्वविद्यालय छात्रवृत्ति कमीशन का अध्यक्ष नियुक्त किया गया था।

हमारे जीवन में सबसे पहली गुरु तो मां होती है जो हमें जन्म लेते ही हर बातों का ज्ञान कराती है। मगर विद्यार्थी काल में बालक के जीवन में शिक्षक एक ऐसा गुरु होता है जो उसे शिक्षित तो करता ही है साथ ही उसे अच्छे-बुरे का ज्ञान भी कराता है। पहले के समय में तो छात्र गुरुकुल में शिक्षक के पास रहकर वर्षों विद्या अध्ययन करते थे। उस दौरान गुरु अपने शिष्यों को विद्या अध्ययन करवाने के साथ ही स्वावलंबी बनने का पाठ भी पढ़ाते थे। इसीलिए कहा गया है कि गुरु गोविंद दोऊ खड़े काके लागू पाय, बलिहारी गुरु आपने गोविंद दियो बताए। गुरु का स्थान ईश्वर से भी बड़ा माना गया है क्योंकि गुरु के माध्यम से ही व्यक्ति ईश्वर को भी प्राप्त करता है। हमारे जीवन को संवारने में शिक्षक बड़ी और महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। सफलता प्राप्ति के लिये वो हमें कई प्रकार से मदद करते है। जैसे हमारे ज्ञान, कौशल के स्तर, विश्वास आदि को बढ़ाते है तथा हमारे जीवन को सही आकार में ढ़ालते है। कबीर दास ने शिक्षक के कार्य को इन पंक्तियों में समझाया है:-

कबीर दास जी कहते हैं कि शिक्षक एक कुम्हार की तरह है और छात्र पानी के घड़े की तरह। जो उनके द्वारा बनाया जाता है और इसके निर्माण के दौरान वह बाहर से घड़े पर चोट करता है। इसके साथ ही सहारा देने के लिए अपना एक हाथ अंदर भी रखता है। वर्तमान समय में शिक्षकों का समाज में सम्मान कम होने लगा है। बहुत से शिक्षकों की घटिया हरकतों ने उनको समाज की नजरों से गिरा दिया है। स्कूल, कालेजों में छात्र, छात्राओं के साथ शिक्षकों द्धारा नीच हरकते करने के चलते शिक्षण जैसा पवित्र कार्य बदनाम होता जा रहा है। मौजूदा दौर में शिष्य भी कुछ कम नहीं हैं। छात्रों की अनुशासनहीना के चलते स्कूल, कालेजों में शिक्षा का वातावरण समाप्त होता जा रहा है। गुरू-शिष्य को एक दूसरे की भावनाओं को समझ कर मिलजुल कर ज्ञान की ज्योति जलानी होगी। शिक्षक दिवस मनाने के साथ हमें शिक्षण कार्य की पवित्रता को फिर से बहाल करने की प्रतिज्ञा भी लेनी होगी। तभी हमारा शिक्षक दिवस मनाना सार्थक हो पायेगा।

आखिर क्यों देश इतनी आत्मीयता से सुनता है मन की बात

तीन अक्टूबर 2014 को विजयदशमी के दिन जब पहला एपिसोड आया, तब कई लोग हैरान थे। टेलीविजन और सोशल मीडिया के दौर में प्रधानमंत्री रेडियो क्यों चुनेंगे? वह चुनाव बाद में इसकी सबसे बड़ी ताकत निकला। देश के गांवों और दूरस्थ इलाकों में टीवी या तेज इंटरनेट हर जगह नहीं है लेकिन आकाशवाणी का जाल वहां तक पहुंचता है। आज यह कार्यक्रम रेडियो के साथ दूरदर्शन, यूट्यूब और मोबाइल तक फैल चुका है, पर उसकी जड़ वही सरल माध्यम है।

विवेक शुक्ला

पिछले रविवार को ईस्ट दिल्ली के एक पार्क में सुबह से भीड़ जमा हो गई थी। व्यवसायी, पेशेवर, महिलाएं और नौजवान सब टीवी सेट के आगे बैठे थे। उनके बीच किसी सामान्य नागरिक की तरह से केन्द्रीय मंत्री हर्ष मल्होत्रा भी विराजमान थे। जब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की आवाज आई तो पार्क एक सभा-सा लगने लगा। यह दृश्य अकेला नहीं था। देश के हजारों स्थानों पर उसी सुबह वही आवाज सुनी जा रही थी। कार्यक्रम का नाम 'मन की बात' है और 30 अगस्त को इसका 137वां एपिसोड प्रसारित हुआ।

तीन अक्टूबर 2014 को विजयदशमी के दिन जब पहला एपिसोड आया, तब कई लोग हैरान थे। टेलीविजन और सोशल मीडिया के दौर में प्रधानमंत्री रेडियो क्यों चुनेंगे? वह चुनाव बाद में इसकी सबसे बड़ी ताकत निकला। देश के गांवों और दूरस्थ इलाकों में टीवी या तेज इंटरनेट हर जगह नहीं है लेकिन आकाशवाणी का जाल वहां तक पहुंचता है। आज यह कार्यक्रम रेडियो के साथ दूरदर्शन, यूट्यूब और मोबाइल तक फैल चुका है, पर उसकी जड़ वही सरल माध्यम है। प्रधानमंत्री बार-बार कहते हैं कि इसके असली एंकर देश के नागरिक हैं। हर महीने लाखों पत्र, संदेश और सुझाव आते हैं। कुछ लोग फोन पर अपनी बात रखते हैं। इन्हीं कहानियों को प्रधानमंत्री अपनी भाषा में पिरोते हैं। कोई किसान चाची, कोई घाट साफ करने वाला छात्र, कोई शिकारा चलाने वाला बच्चा, कोई गांव में बदलाव लाने वाली महिला। जब आम आदमी रेडियो पर अपनी जैसी जिंदगी सुनता है तो दूरी घट जाती है। लगता है प्रधानमंत्री उसे जानते हैं।

भाषा इसमें सबसे बड़ा पुल है। भारी शब्द और आंकड़ों का ढेर नहीं होता। बात परिवार के बड़े सदस्य की तरह होती है। नारा नहीं, कहानी होती है। नसीहत नहीं, प्रेरणा होती है। रेडियो पर चेहरा नहीं, सिर्फ आवाज होती है। ईस्ट दिल्ली में 'मन की बात' सुन रहे प्रख्यात आयकर सलाहकार सुरेन्द्र कुमार गंभीर कहते हैं कि इसकी सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इसमें राजनीति नहीं होती। आवाज दिल तक पहुंचती है।

आईआईएम रोहतक की उस रिपोर्ट के अनुसार, जो आकाशवाणी के लिए तैयार हुई थी, देश की लगभग 96 प्रतिशत जनता इस कार्यक्रम से परिचित है। करीब 23 करोड़ लोग इसे नियमित सुनते हैं और 100 करोड़ से अधिक लोगों ने कम-से-कम एक बार सुना है। श्रोताओं ने लोकप्रियता का कारण सशक्त नेतृत्व और भावनात्मक जुड़ाव बताया। सर्वे में 60 प्रतिशत लोगों ने राष्ट्र निर्माण में रुचि दिखाई और 73 प्रतिशत ने माना कि देश सही दिशा में जा रहा है। कार्यक्रम ने कई सामाजिक पहलों को बल दिया। पहले एपिसोड में खादी की बात हुई तो बिक्री बढ़ी। स्वच्छ भारत, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, वोकल फॉर लोकल और हर घर तिरंगा जैसी मुहिमों को इससे गति मिली। योग, पर्यावरण, स्टार्टअप, अंगदान, शिक्षा और स्वास्थ्य बार-बार आए। कोरोना काल में यह घर बैठे सही जानकारी का स्रोत बना।

यह सिर्फ बोलने का मंच नहीं, सुनने का भी माध्यम है। प्रधानमंत्री हर महीने सुझाव मांगते हैं। लोग लिखते हैं कि अगली बार किस विषय पर बात हो। इससे नागरिकों को लगता है कि उनकी राय मायने रखती है। लोकतंत्र में संवाद दो तरफा होना चाहिए। 'मन की बात' उसी संवाद का आधुनिक रूप है। भारत में इतने लंबे समय तक इतनी नियमितता से चलने वाला ऐसा कार्यक्रम दुर्लभ है।

एक और वजह सकारात्मकता है। खबरों में अक्सर नकारात्मक बातें छाई रहती हैं। यहां गुमनाम नायकों और छोटी-बड़ी सफलताओं की चर्चा होती है। युवा इसे यूट्यूब पर भी देखते हैं। शिक्षा जैसे विषय सबसे प्रभावशाली माने गए। कार्यक्रम कई भाषाओं और बोलियों में अनुवाद होकर पहुंचता है इसलिए दक्षिण से पूर्वोत्तर तक श्रोता अपनी भाषा में सुन सकता है। आलोचक इसे प्रचार कहते हैं। लेकिन बारह साल लगातार चलना और इतने लोगों तक पहुंचना आसान नहीं है। अगर लोग न सुनते तो यह इतना लंबा न चलता। कई श्रोता बताते हैं कि 'मन की बात' के कारण वे फिर से रेडियो सुनने लगे।

आत्मीयता का सबसे गहरा कारण विश्वास है। जब नेता आम भाषा में, आम विषयों पर, आम लोगों की कहानी सुनाता है तो पद की ऊंचाई कम लगती है। लगता है कोई अपने में से ही बात कर रहा है। विविधताओं वाले देश में यह सरलता काम आती है।

बारह साल बाद भी हर महीने लोग इसका इंतजार करते हैं। कोई नया उदाहरण होगा, कोई नई पहल होगी। यही इंतजार आत्मीयता है। देश सुनता है क्योंकि उसे लगता है कि उसकी बात भी कहीं सुनी जा रही है। मन की बात इसलिए सिर्फ प्रधानमंत्री की बात नहीं रह गई। यह देश के मन की बात बन गई है। सरल भाषा, सच्ची कहानियां और सीधा संवाद ही इसकी सबसे बड़ी ताकत हैं। जब बात दिल से निकलती है, तो दिल तक पहुंचती है।

बिहार की वित्त रहित शिक्षा व्यवस्था में 10 लाख विद्यार्थियों का भविष्य दांव पर

ये हैं बिहार के संबद्ध डिग्री महाविद्यालय, जिन्हें लंबे समय से वित्त रहित शिक्षा व्यवस्था का हिस्सा माना जाता रहा है। इन महाविद्यालयों की कहानी केवल कुछ संस्थानों की कहानी नहीं है। यह उन लाखों विद्यार्थियों और परिवारों की कहानी है, जिनके लिए पटना, गया, मुजफ्फरपुर, भागलपुर या किसी दूसरे बड़े शहर में जाकर पढ़ाई करना आर्थिक रूप से संभव नहीं था।

डॉ. अरविंद नाथ तिवारी

बिहार में उच्च शिक्षा की चर्चा जब भी होती है, विश्वविद्यालयों और अंगीभूत महाविद्यालयों का उल्लेख प्रमुखता से किया जाता है। इसी व्यवस्था के समानांतर दशकों से एक ऐसी शिक्षा व्यवस्था भी चल रही है, जिसने सीमित संसाधनों के बावजूद लाखों विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा का अवसर उपलब्ध कराया है। ये हैं बिहार के संबद्ध डिग्री महाविद्यालय, जिन्हें लंबे समय से वित्त रहित शिक्षा व्यवस्था का हिस्सा माना जाता रहा है। इन महाविद्यालयों की कहानी केवल कुछ संस्थानों की कहानी नहीं है। यह उन लाखों विद्यार्थियों और परिवारों की कहानी है, जिनके लिए पटना, गया, मुजफ्फरपुर, भागलपुर या किसी दूसरे बड़े शहर में जाकर पढ़ाई करना आर्थिक रूप से संभव नहीं था।

सबसे बड़ा सवाल यही है कि जब इन महाविद्यालयों में विद्यार्थी पढ़ रहे हैं, परीक्षाएं हो रही हैं, डिग्रियां मिल रही हैं और राज्य की उच्च शिक्षा व्यवस्था में इन संस्थानों की भूमिका बनी हुई है तो वहां काम करने वाले शिक्षकों और शिक्षकेतर कर्मचारियों की आर्थिक सुरक्षा स्थायी क्यों नहीं होनी चाहिए? सरकार को यह विचार करना होगा कि शिक्षा का काम यदि महत्वपूर्ण और स्थायी है तो उससे जुड़े मानव संसाधन को अस्थायी आर्थिक व्यवस्था में कब तक रखा जा सकता है?

बिहार में लगभग 220 संबद्ध डिग्री महाविद्यालयों और उनसे जुड़े लगभग 10 लाख विद्यार्थियों का आंकड़ा इस विषय की गंभीरता को समझने के लिए पर्याप्त है। यह केवल 220 संस्थानों की संख्या नहीं है। इनके पीछे हजारों शिक्षक और शिक्षकेतर कर्मचारी हैं तथा लाखों परिवारों की उम्मीदें जुड़ी हुई हैं।

वित्त रहित संस्थानों की सबसे महत्वपूर्ण समस्याओं में से एक अनुदान और नियमित वेतनमान के बीच का अंतर है। कर्मचारियों की मांग है कि उन्हें ऐसी व्यवस्था मिले जिससे उनका जीवन आर्थिक असुरक्षा से बाहर निकल सके। यहां एक गंभीर सवाल भी उठता है, यदि सरकार किसी संस्थान की शैक्षणिक गतिविधियों को मान्यता देती है और उसके विद्यार्थियों को परीक्षा एवं डिग्री की व्यवस्था उपलब्ध कराती है तो वहां कार्यरत शिक्षकों और कर्मचारियों को नियमित वेतनमान और सामाजिक सुरक्षा देने की नीति क्यों नहीं बनाई जा सकती? अनुदान आधारित व्यवस्था में पारदर्शिता सबसे महत्वपूर्ण मुद्दा बन जाती है। यदि सरकार करोड़ों रुपये का अनुदान देती है तो उसके वितरण और उपयोग की स्पष्ट, सार्वजनिक और ऑडिट योग्य व्यवस्था होनी चाहिए। पैसा किस संस्था को कितना मिला, किस मद में खर्च हुआ और कर्मचारियों तक कितना पहुंचा- इन सभी सवालों का जवाब सार्वजनिक होना चाहिए। यह आरोप भी सामने आते रहे हैं कि अनुदान की राशि का लाभ कर्मचारियों तक पूरी तरह नहीं पहुंचता और प्रबंधन स्तर पर वित्तीय अनियमितताएं होती हैं, ऐसी शिकायतें लगातार उठती रही हैं तो सरकार को स्वतंत्र और निष्पक्ष ऑडिट कराना चाहिए। दोषी पाए जाने वालों के खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए। सवाल यह भी है कि कहीं ऐसा तो नहीं कि जिन लोगों को इस व्यवस्था से लाभ मिल रहा है, उनका प्रभाव नीति-निर्माण तक पहुंच रहा हो? यह एक गंभीर लोकतांत्रिक सवाल है और इसका जवाब तथ्यों, पारदर्शिता और जांच के माध्यम से ही मिलना चाहिए, आरोप-प्रत्यारोप के माध्यम से नहीं।

संबद्ध महाविद्यालयों से जुड़े शिक्षक और कर्मचारियों की समस्याओं को लेकर ऋअउळ-ठएइ की ओर से नौ सूत्री मांगों के माध्यम से सरकार का ध्यान आकर्षित किया जा रहा है। इनमें कॉलेजों के अधिकार, स्वायत्तता और आर्थिक सुरक्षा जैसे महत्वपूर्ण मुद्दे शामिल हैं। प्रस्तावित विश्वविद्यालय अधिनियम-2026 को लेकर भी स्वायत्तता की रक्षा का सवाल उठाया गया है। संगठनों का कहना है कि विश्वविद्यालय और महाविद्यालयों की अकादमिक एवं प्रशासनिक स्वायत्तता प्रभावित नहीं होनी चाहिए। यदि किसी नए कानून से उच्च शिक्षा संस्थानों की स्वायत्तता कमजोर होती है तो सरकार को शिक्षक, कर्मचारी, विद्यार्थियों और शिक्षा विशेषज्ञों के साथ व्यापक विमर्श करना चाहिए।

सरकार के सामने यक्ष प्रश्न यही है कि यदि वित्त रहित कर्मचारी वर्षों से बिहार के विद्यार्थियों को शिक्षा दे रहे हैं, तो उन्हें नियमित वेतनमान और आर्थिक सुरक्षा देने की दिशा में स्थायी समाधान क्यों नहीं खोजा जा रहा? सरकार की जिम्मेदारी है कि इस विवाद का समाधान आंदोलनकारियों से संवाद करके निकाले। सरकार को आंदोलन को केवल दबाव की राजनीति के रूप में नहीं देखना चाहिए। सरकार यदि वास्तव में उच्च शिक्षा को मजबूत करना चाहती है तो उसे नई संस्थाएं खोलने के साथ-साथ पहले से स्थापित संस्थानों को मजबूत करने पर भी ध्यान देना होगा। आधुनिक प्रयोगशालाएं, डिजिटल पुस्तकालय, स्मार्ट कक्षाएं, शोध सुविधाएं, पर्याप्त शिक्षक और नियमित आर्थिक संसाधन किसी भी उच्च शिक्षण संस्थान की बुनियादी जरूरत हैं।

बिहार को ऐसे उच्च शिक्षा मॉडल की आवश्यकता है जिसमें विद्यार्थी को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिले, शिक्षक को सम्मानजनक और सुरक्षित रोजगार मिले तथा संस्थान को पारदर्शी और पर्याप्त वित्तीय संसाधन उपलब्ध हों। वित्त रहित शिक्षा व्यवस्था ने दशकों तक बिहार में उच्च शिक्षा की लौ जलाए रखी है। अब सरकार की जिम्मेदारी है कि उस लौ को बुझने न दे। बिहार की उच्च शिक्षा को मजबूत करने का रास्ता टकराव से नहीं, संवाद, पारदर्शिता, जवाबदेही और स्थायी समाधान से निकलेगा। सरकार को यह तय करना होगा कि वह इन कॉलेजों को बोझ मानती है या बिहार के उच्च शिक्षा तंत्र की उस महत्वपूर्ण कड़ी के रूप में देखती है, जिसने दशकों से सीमित संसाधनों में लाखों विद्यार्थियों का भविष्य संवारा है।

मां कात्यायनी का पौराणिक इतिहास और महारास से जुड़ा दिव्य रहस्य

भ वृंदावन की पावन धरती मां कात्यायनी का शक्तिपीठ मंदिर है। यह मंदिर आस्था और प्रेम का बड़ा केंद्र माना जाता है। यहां पर स्वयं देवी राधा और गोपियों ने तपस्या की थी। वृंदावन का नाम आते ही मन में सबसे पहले भगवान श्रीकृष्ण की छवि उभर आती है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि ब्रज भूमि की रक्षा और यहां की अधिष्ठात्री देवी मां कात्यायनी हैं। वृंदावन के राधा बाग इलाके में स्थित मां कात्यायनी मंदिर 51 शक्तिपीठों में से एक है।

धार्मिक मान्यता के मुताबिक जब भगवान श्रीहरि विष्णु ने अपनी सुदर्शन चक्र से मां सती के शरीर के टुकड़े किए थे, तो देवी सती के केश यानी बाल इस स्थान पर गिरे थे। जिस कारण इसको उमा शक्तिपीठ भी कहा जाता है।

मंदिर का निर्माण

इस मंदिर के निर्माण का इतिहास भी किसी चमत्कार से कम नहीं है। साल 1923 में स्वामी केशवानंद महाराज द्वारा इस मंदिर का निर्माण कराया गया था। स्वामी जी ने 33 सालों तक हिमालय की कंदराओं में कठिन तपस्या की थी। इस दौरान उनको एक दिव्य दृष्टि मिली, जिसमें उनको वृंदावन में इस लुप्त शक्तिपीठ को ढूंढने और मंदिर को स्थापित करने का आदेश मिला। स्वामी केशवानंद ने अपने योगबल से इस स्थान को पहचाना था। आज के समय में यह मंदिर भक्तों की आस्था का बड़ा केंद्र है।

मंदिर की बनावट और मां की अष्टधातु की प्रतिमा

यह मंदिर सफेद संगमरमर से बना है, जोकि देखने में काफी भव्य लगता है। मंदिर के मुख्य द्वार पर दो सुनहरे शेर खड़े हैं, जोकि मां की शक्ति का एहसास कराते हैं। मंदिर के गर्भगृह में मां कात्यायनी की अष्टधातु की विशाल प्रतिमा है और मां की चार भुजाएं हैं। दाहिनी भुजाओं में वर और अभय मुद्रा है। वहीं बाईं भुजाओं में कमल का पुष्प और तलवार है। मां कात्यायनी के अलावा यहां पर भगवान विष्णु, भोलेनाथ, गणेश जी और सूर्य देव की मूर्तियां भी हैं। जोकि इस मंदिर को पूर्ण पंचदेव मंदिर बनाती हैं।

श्रीकृष्ण ने गोपियों के लिए रचाया 'महारास'

इस मंदिर का संबंध द्वापर युग और भगवान श्रीकृष्ण से है। श्रीमद्भागवत पुराण के मुताबिक वृंदावन की गोपियों श्रीकृष्ण को अपने पति के रूप में पाना चाहती थीं। इसलिए लिए गोपियों ने पूरे कार्तिक माह यमुना नदी के किनारे मां कात्यायनी की बालू से मूर्ति बनाकर पूजा-अर्चना की थी। गोपियों की भक्ति से प्रसन्न होकर मां कात्यायनी ने उनको वरदान दिया। इस वरदान के चलते शरद पूर्णिमा की रात श्रीकृष्ण ने 16,108 रूप धारण किए थे। वहीं हर गोपी के साथ रास रचाया था। धार्मिक मान्यता है कि जो भी कुंवारे युवक-युवतियां यहां आकर मां के दर्शन करते हैं, उनके विवाह में आने वाली परेशानी दूर होती है।

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।

प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website :** www.metrorays.in **email : metrorays.ranchi@gmail.com**

न्यूज IN ब्रीफ

डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती पर शिक्षक दिवस मनाया जाता है

साहिबगंज : भारत में पांच सितंबर को टेस्टबुक के अनुसार महान शिक्षाविद् और देश के दूसरे राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती के उपलक्ष्य में शिक्षक दिवस मनाया जाता है। मुख्य कारण और इतिहास जन्मदिन डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन का जन्म 5 सितंबर 1888 को हुआ था। वह एक महान दार्शनिक, विद्वान और शिक्षक थे।छात्रों का अनुरोध वर्ष 1962 में जब वे भारत के राष्ट्रपति बने, तब उनके कुछ शिष्यों और मित्रों ने उनका जन्मदिन मनाने की अनुमति मांगी। :राधाकृष्णन जी की इच्छा इस पर डॉ. राधाकृष्णन ने कहा कि मेरा जन्मदिन अलग से मनाने के बजाय यदि इस दिन को देश भर के शिक्षकों के सम्मान के रूप में मनाया जाए तो यह उनके लिए ज्यादा गर्व की बात होगी। इसका शुरूआत उनकी इसी इच्छा और शिक्षा के प्रति उनके अमिट योगदान को सम्मान देने के लिए वर्ष 1962 से हर साल 5 सितंबर को शिक्षक दिवस के रूप में मनाने जाने लगा।

राजेश मंडल नमामि गंगे और राजीव चौधरी मत्स्य पालक प्रकोष्ठ के बने प्रदेश संयोजक

साहिबगंज : झारखंड प्रदेश भाजपा ने संगठन को और अधिक मजबूत एवं प्रभावी बनाने के उद्देश्य से प्रदेश स्तर पर विभिन्न प्रकोष्ठों एवं विभागों के संयोजक और सह-संयोजकों की घोषणा की है।झारखंड प्रदेश भाजपा अध्यक्ष आदित्य साहू की सहमति से प्रदेश महामंत्री गणेश मिश्रा ने इसकी घोषणा की।जारी पत्र के अनुसार साहिबगंज जिले के मंगलहाट निवासी एवं भाजपा के वरिष्ठ नेता राजेश मंडल नमामि गंगे एवं पुरानी साहिबगंज निवासी राजीव चौधरी मत्स्य पालक प्रकोष्ठ का प्रदेश संयोजक बनाया गया है।उनके मनोनयन से जिले के भाजपा कार्यकताओं एवं समर्थकों में खुशी का माहौल है।इधर राजेश मंडल एवं राजीव चौधरी ने नई जिम्मेदारी मिलने पर झारखंड प्रदेश भाजपा अध्यक्ष आदित्य साहू,प्रदेश महामंत्री गणेश मिश्रा,राजमहल के पूर्व विधायक अनंत ओझा,भाजपा किसान मोर्चा के छत्तीसगढ़ प्रदेश प्रभारी बजरंगी प्रसाद यादव सहित प्रदेश नेतृत्व के सभी वरिष्ठ नेताओं के प्रति आभार व्यक्त किया।उन्होंने कहा कि पार्टी नेतृत्व ने जिस विश्वास के साथ उन्हें यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी है,उस पर खरा उतरने का वे पूरी निष्ठा और ईमानदारी से प्रयास करेंगे।नेता देय ने कहा कि पार्टी नेतृत्व के मार्गदर्शन में संगठन के कार्यकताओं एवं आम लोगों को साथ लेकर भाजपा संगठन को मजबूत करना और केंद्रीय योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाना उनकी प्राथमिकता होगी।वहीं,भाजपा नेताओं ने राजेश मंडल एवं राजीव चौधरी के अनुभव एवं संगठनात्मक क्षमता पर भरोसा जताते हुए उम्मीद व्यक्त की कि उनके नेतृत्व में नमामि गंगे व मत्स्य पालक प्रकोष्ठ को प्रदेश स्तर पर नई मजबूती मिलेगी।

खनन कानून के विरोध को लेकर जागरुकता अभियान चलाया

हजारीबाग : खनन कानून के विरोध को लेकर जागरुकता अभियान चलाया बरकट्ठा प्रतिनिधि। केंद्र सरकार के प्रस्तावित एमएमडीआर बिल के विरोध में शुक्रवार को प्रखंड अध्यक्ष कुदुश अंसारी के नेतृत्व में गोरहर में जन जागरुकता अभियान चलाया गया। गोरहर पंचायत में भ्रमण कर लोगों को बिल के प्रभावों के प्रति जागरूक किया गया। कार्यकत्ताओं ने कहा कि आगामी सात सितंबर को खान-खनिज संशोधन बिल के खिलाफ प्रखंड मुख्यालय में एक दिवसीय धरना का आयोजन किया जाएगा। मौके पर राजाराम मांझी, भुनेश्वर दास, मुखिया प्रतिनिधि छोटन कौल, रामसहाय मांझी, राधा देवी, डेगलाल महतो, कामेश्वर महतो समेत दर्जनों कार्यकर्त्ता मौजूद थे।फोटो बरकट्ठा पी 1- खनन कानून संशोधन के विरोध में जागरूकता कार्यक्रम करते झामुमो के लोग।

पति पर पत्नी की हत्या का आरोप पुलिस ने आरोपी को किया गिरफ्तार

साहिबगंज/राधानगर:राधानगर थाना क्षेत्र के मनिहारी टोला बंगाली पाड़ा गांव में एक महिला की हत्या का मामला सामने आया है।पुलिस ने मामले में मृतिका के पति संदीप मंडल 27 को गिरफ्तार किया है।पुलिस के अनुसार,प्रारंभिक सूचना में पति द्वारा महिला की हत्या किए जाने की बात सामने आई थी।पुलिस के मुताबिक 4 सितंबर 2026 की सुबह करीब 5:10 बजे घटना की सूचना मिली। इसके बाद राधानगर थाना में सनहा संख्या 08/26 दर्ज करते हुए वरीय अधिकारियों को सूचना दी गई।निर्देश के बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी संदीप मंडल,पिता निवारण मंडल,निवासी मनिहारी टोला बंगाली पाड़ा को गिरफ्तार कर लिया।मृतिका की पहचान कल्पना सरदार,पिता अशोक सरदार के रूप में हुई है।पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया है।मृतिका के पिता अशोक सरदार के लिखित आवेदन के आधार पर राधानगर थाना कांड संख्या 315/2026, दिनांक 04 सितंबर 2026, के तहत बीएनएस की धारा 103(1)/3(5) में मामला दर्ज किया गया है।पुलिस ने बताया कि मामले का अनुसंधान जारी है।गिरफ्तार प्राथमिकी अभियुक्त संदीप मंडल को 4 सितंबर को न्यायिक अभिरक्षा में भेजा जा रहा है।कार्रवाई में राधानगर थाना प्रभारी पुअनि अमर कुमार मिंज,पुअनि पंकज कुमार दुबे और पुअनि गंगा प्रसाद यादव शामिल रहे।पुलिस के अनुसार,हत्या के आरोप और घटना के वास्तविक कारणों की जांच अनुसंधान के दौरान की जा रही है।

व्यवसायीकरण से कमजोर हो रही गुरु शिष्य परंपरा

हजारीबाग : शिक्षक दिवस के अवसर पर सागर भक्ति संगम के संयोजक विजय केसरी ने कहा कि शिक्षा का व्यवसायीकरण और इसे एक प्रोडक्ट के रूप में प्रस्तुत किया जाना, हमारी प्राचीन गुरु-शिष्य परंपरा में गिरावट का सबसे बड़ा कारण है। भौतिकतावाद की अंधी दौड़ के बीच आज इस गौरवशाली परंपरा को कलंकित करने की घटनाएं चिंताजनक हैं। शिक्षक राष्ट्र के निमार्ता होते हैं और आज के शिष्य भविष्य की नींव रखते हैं। इसलिए दोनों को इस पवित्र रिश्ते की गरिमा पर गहराई से विचार करना चाहिए।

दुमका में ठगी मामले में एक और एफआईआर, एसकेएम यूनिवर्सिटी की असिस्टेंट प्रोफेसर समेत दस लोगों पर प्राथमिकी दर्ज

संवाददाता

दुमका : जिले में बकरी पालन में इन्वेस्ट कर 13 माह में रुपए दोगुना करने के मामले में दर्जनों लोगों से हुई ठगी मामले में शुक्रवार को दूसरी एफआईआर भी दर्ज की गई। यह एफआईआर नगर थाना दुमका में सिदो कान्हू मुर्मू विश्वविद्यालय की असिस्टेंट प्रोफेसर अंजुला मुर्मू सहित 10 लोगों के खिलाफ सुष्मिता सोरेन ने दर्ज कराया है। खास बात यह है कि इस मामले में जो पहले एफआईआर प्रो। अंजुला मुर्मू ने कराया है, उसमें सुष्मिता सोरेन को आरोपी बनाया गया है।

क्या है एफआईआर में

दुमका शहर के न्यू बांध पाड़ा की इलाके की रहने वाली सुष्मिता सोरेन ने अपने एफआईआर में लिखा है कि एसकेएम यूनिवर्सिटी की अंग्रेजी लेक्चरर डॉ। अंजुला मुर्मू रिश्ते में मेरी गोतनी लगती है, साथ ही पुरानी जान पहचान भी है। डॉ। अंजुला और उनके अन्य 8-9 सहयोगियों ने योजना के तहत बकरी पालन और ऑनलाइन निवेश में प्रतिदिन 0 l50 से 0 l75 प्रतिशत का मुनाफा और रकम दोगुनी करने का झांसा देकर फर्जी दस्तावेज और इलेक्ट्रॉनिक अभिलेख दिखाए।

इस झांसे में आकर मैंने और मेरे पति ने अपनी जमा पूंजी में से कुल दो लाख दस हजार रुपये का निवेश किया। सुष्मिता ने रुपये जिस तरीके से दिए गए, उसका भी उल्लेख किया है। वह बताती हैं कि शुरूआत में सब ठीक चल रहा था लेकिन इस वर्ष 31 मई के बाद से प्लान चेंज होने के बाद लोग अपना निवेश वापस निकालने की बात करने लगे।

इसी बीच अचानक जुलाई माह में कम्पनी फ्हअ के साइट से पैसा निकासी बंद कर दिया गया, तब हलचल मचने लगी। सभी सवाल जवाब करने लगे। जिसपर डॉ। अंजुला के सहयोगी सुमित नायक ने बताया कि 10 अगस्त से सब ठीक हो जाएगा लेकिन ऐसा नहीं हुआ। 13 अगस्त 2026 को उक्त फ्हअ वेबसाइट अचानक बंद हो गई।

इन लोगों के खिलाफ हुआ है एफआईआर

जिन लोगों के खिलाफ सुष्मिता सोरेन ने त्रक्रफ़ दर्ज कराई है, उनके नाम हैं- डॉ अंजुला मुर्मू, विनोद कुमार सिंह, सुमित नायक, कोर्नेलियुस मरांडी, रोशन कुमार ठाकुर, विवेक सिंह, मनीष कुमार, निरुलता बेसरा, स्वीटी प्रियंका हंसदा और अभिराज मुर्मू। सुष्मिता ने लिखा है कि मेरे अतिरिक्त दर्जनों से अधिक के लोगों के साथ भी इन लोगों द्वारा लाखों की ठगी की गई है। ऐसे में इनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाए और हमारी ठगी गई राशि वापस दिलाने की कृपा की जाए।

क्या कहते हैं एसपी

इस पूरे मामले पर दुमका एसपी पीतांबर सिंह खेरवार ने कहा कि एफआईआर दर्ज कर ली गई है। इस मामले में अनुसंधान किया जाएगा और उसके अनुसार आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

राज्य स्तरीय जूनियर कबड्डी प्रतियोगिता की तैयारियों को लेकर समिति की बैठक

संवाददाता

साहिबगंज : जिले में पहली बार आयोजित होने जा रही 20वीं झारखंड राज्य जूनियर कबड्डी प्रतियोगिता 2026 बालक व बालिका वर्ग की तैयारियों को लेकर शुक्रवार को आयोजन समिति की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता कल्याण श्रीवास्तव ने की। बैठक में प्रतियोगिता के सफल, सुव्यवस्थित एवं भव्य आयोजन को लेकर विभिन्न तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की गई तथा आगामी कार्ययोजना पर चर्चा हुई।बैठक में खिलाड़ियों के आवासन एवं भोजन रजिस्ट्रेशन स्वागत खेल मैदान की तैयारी, खेल सामग्री, सुरक्षा व्यवस्था, चिकित्सा सुविधा, परिवहन सहित अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। आयोजन को सुचारु रूप से संपन्न कराने के लिए समिति के सदस्यों के बीच विभिन्न जिम्मेदारियों का निर्धारण किया गया। साथ ही सभी सदस्यों से आपसी समन्वय एवं टीम भावना के साथ कार्य करने का आह्वान किया गया।

आयोजन अध्यक्ष डॉ.रंजीत कुमार सिंह ने प्रतियोगिता को साहिबगंज के लिए महत्वपूर्ण अवसर बताते हुए सभी सदस्यों से निर्धारित जिम्मेदारियों का गंभीरता एवं तत्परता से निर्वहन करने की अपील की। आयोजन सचिव लालू कुमार यादव ने तैयारियों की प्रगति की जानकारी साझा करते हुए प्रतियोगिता को सफल बनाने के लिए आवश्यक व्यवस्थाओं को समय पर पूरा करने पर जोर दिया।बैठक में उत्तम कुमार, संतोष कुमार, किशन कुमार, रंजन कुमार, देवेश कुमार, प्रीतम कुमार, सौरभ कुमार सहित आयोजन समिति के अन्य सदस्य उपस्थित रहे। सभी सदस्यों ने प्रतियोगिता को सफल बनाने के लिए पूर्ण सहयोग एवं जिम्मेदारी के साथ कार्य करने का संकल्प लिया।ज्ञात हो कि 20वीं झारखंड राज्य जूनियर कबड्डी प्रतियोगिता 2026 का आयोजन 12, 13 व 14 सितंबर 2026 को रेलवे ग्राउंड, सकरीगली, साहिबगंज में किया जाएगा। प्रतियोगिता में झारखंड के विभिन्न जिलों से बालक और बालिका वर्ग के प्रतिभागियों के शामिल होने की संभावना है। साहिबगंज जिले में पहली बार आयोजित हो रही इस राज्य स्तरीय प्रतियोगिता को लेकर खेलप्रेमियों में भी विशेष उत्साह है।

मिठाई दुकान में चोरी ताला तोड़कर नगदी व सामान ले गए चोर

संवाददाता

साहिबगंज/उधवा : राधानगर थाना से महज एक किलोमीटर की दूरी पर चोरों ने एक मिठाई एवं नाश्ते की दुकान को निशाना बनाते हुए ताला तोड़कर नगदी समेत कीमती सामान पर हाथ साफ कर दिया। घटना के बाद आसपास के दुकानदारों में दहशत का माहौल है। जानकारी के अनुसार राधानगर थाना से महज एक किमी दूर प्लस टू हाई स्कूल के समीप सुमित कुमार शाह की मिठाई व नाश्ते की दुकान है। शुक्रवार को रोज की तरह जब दुकान मालिक दुकान खोलने पहुंचे तो दुकान का ताला टूटा हुआ देखकर उनके होश उड़ गए। दुकान के अंदर प्रवेश करने पर सामान अस्त-व्यस्त पड़ा था। जबकि कई कीमती सामान गायब थे। दुकान मालिक के अनुसार चोर दुकान में रखे बक्से को खंगालकर उसमें रखी नगदी भी ले गए। घटना को लेकर उन्होंने राधानगर थाना में लिखित आवेदन देकर अज्ञात चोरों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। सुमित कुमार शाह ने बताया कि वह पिछले करीब 20 वर्षों से इसी दुकान के माध्यम से अपने परिवार का भरण-पोषण कर रहे हैं। उन्होंने यह भी बताया कि उनकी दुकान में इससे पहले भी कई बार चोरी की घटनाएं हो चुकी हैं। ज्ञात हो कि राधानगर थाना क्षेत्र में पिछले कई महीनों से चोरी की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं। चोर बेखौफ होकर एक के बाद एक घटनाओं को अंजाम दे रहे हैं। अब तक पुलिस अज्ञात चोरों तक नहीं पहुंच सकी है।

पंचायत भवन निर्माण कार्य का विधायक निसात आलम ने किया उद्घाटन

साहिबगंज/बरहरवा : जिला परिषद् जनान्तर्गत बरहरवा प्रखंड के मधुवापाड़ा में पंचायत भवन निर्माण कार्य का उद्घाटन शुक्रवार को पाकुड़ विधानसभा क्षेत्र की विधायक निसात आलम के कर-कमलों द्वारा किया। उद्घाटन कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणों ने विधायक निसात आलम के समक्ष क्षेत्र से जुड़ी विभिन्न समस्याओं को रखा। विधायक ने ग्रामीणों की समस्याओं को गंभीरता से सुना संबंधित विषयों पर आवश्यक जानकारी देते हुए समाधान का भरोसा दिलाया।इस दौरान एस आईआर नोटिस के संबंध में भी ग्रामीणों को विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। विधायक ने बताया कि एस आईआर प्रक्रिया के तहत तहत किन-किन दस्तावेजों की आवश्यकता होगी। दस्तावेज किस प्रकार तैयार करने हैं तथा उन्हें निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार किस तरह प्रस्तुत करना है। उन्होंने ग्रामीणों से किसी भी प्रकार की अफवाह या भ्रम में न पड़ने आवश्यक दस्तावेजों को सही तरीके से तैयार रखने की अपील की।विधायक ने ग्रामीणों की विभिन्न शंकाओं और सवालों को भी सुना तथा उन्हें उचित जानकारी देते हुए समस्याओं के समाधान का मार्ग बताया। कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणों में पंचायत भवन निर्माण को लेकर उत्साह देखा गया।मौके पर प्रखंड विकास पदाधिकारी सन्नी कुमार दास, जिला अध्यक्ष सह विधायक प्रतिनिधि बरकत खान, प्रखंड 20 सूत्री अध्यक्ष अशोक कुमार दास, जेएमएम प्रखंड अध्यक्ष अब्दुल गफूर हेमा सहित कांग्रेस के कई पदाधिकारी पंचायत एवं बूथ स्तर के कार्यकर्ता तथा बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

ससुराल पक्ष पर मारपीट कर हत्या करने का गंभीर आरोप

संवाददाता

साहिबगंज/उधवा : राधानगर थाना क्षेत्र के मनिहारी टोला बंगालीपाड़ा में एक विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का मामला सामने आने के बाद इलाके में सनसनी फैल गई। मृतका की पहचान कल्पना सरदार के रूप में हुई है। घटना को लेकर मृतका के पिता अशोक सरदार ने उसके पति सहित ससुराल पक्ष के तीन लोगों पर मारपीट कर हत्या करने का गंभीर आरोप लगाया है। पुलिस ने मामले में मृतका के पति संदीप मंडल को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है।मृतका के पिता अशोक सरदार, जो पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले के फरक्का थाना क्षेत्र अंतर्गत अबला गांव के रहने वाले हैं।ने पुलिस को दिए आवेदन में घटना की जानकारी दी है। उनके अनुसार गुरुवार की देर रात करीब दो बजे उनके दामाद संदीप मंडल ने उनके भांजे समीर

सरदार को फोन कर बताया कि कल्पना के पेट में काफी तेज दर्द हो रहा है। बेटी की स्थिति जानने के लिए जब उन्होंने संदीप से कल्पना से बात कराने को कहा, तो उसने उसकी हालत गंभीर होने की बात कहते हुए फोन काट दिया। बेटी की तबीयत खराब होने की सूचना मिलते ही अशोक सरदार अपने बेटे सूरज सरदार और भांजे समीर सरदार के साथ रात में ही मनिहारी टोला बंगालीपाड़ा स्थित कल्पना के ससुराल पहुंच गए। वहां पहुंचने पर उन्होंने कल्पना को घर के फर्श पर अचेत अवस्था में पड़ा पाया। पिता ने पुलिस को दिए आवेदन में कल्पना के गले पर चोट के निशान और पीठ पर सूजन होने की बात भी कही है। अशोक सरदार ने आरोप लगाया है कि उनके दामाद संदीप मंडल का किसी अन्य महिला से कथित संबंध था। इसी बात को लेकर पति-पत्नी के बीच लंबे समय से विवाद होता था और संदीप द्वारा उनकी बेटी के साथ मारपीट किए जाने का भी आरोप लगाया गया है। पिता ने इस मामले में संदीप मंडल के अलावा मृतका के ससुर निवारण मंडल और सास सुमित्रा मंडल के खिलाफ भी कार्रवाई की मांग की है। घटना की जानकारी मिलने के बाद राधानगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए राजमहल अनुमंडलीय अस्पताल भेज दिया। पुलिस ने मृतका के पति को हिरासत में लेकर पूछताछ की और बाद में गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया। पुलिस के अनुसार मामले में राधानगर थाना कांड संख्या 315/26 दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस घटना से जुड़े सभी पहलुओं की पड़ताल कर रही है। विवाहिता की मौत हत्या है या फिर किसी अन्य कारण से हुई है।इसका स्पष्ट खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट और पुलिस जांच पूरी होने के बाद ही हो सकेगा।

ईस्टर्न रेलवे सभी के समझदारी और सहयोग के लिए धन्यवाद करता है : जीएम

जल्द ही रेल सेवा सुचारू रूप से होगी परिचालित : जीएम

यात्रियों को हो रही असुविधाओं के लिए जताया खेद

संवाददाता

साहिबगंज/बरहरवा : फरक्का-मालदा रेल मंडल अंतर्गत न्यू फरक्का-तिलडांगा रेलखंड के बीच बीते दोनो भू-धसान से रेल परिचालन उथल पुथल होने लगी,जिससे लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।रेल सेवा बाधित होने और भू-धसान से क्षतिग्रस्त रेलवे ट्रैक के चल रहे मरम्मत कार्य का जायजा लेने के लिए शुक्रवार को ईस्टर्न रेलवे की जनरल जोनल मैनेजर गीतिका पांडे पूरी टीम के साथ मौके पर पहुँचकर स्वयं

निरीक्षण किया। उनके साथ ईस्टर्न रेलवे के प्रिंसिपल चीफ इंजीनियर विक्रम गुप्ता समेत अन्य सीनियर अधिकारी व इंजीनियर भी मौजूद थे।जीएम श्रीमती पांडे ने लिया प्रभावित धसान स्थल का जमीनी हालात का जायजा लेते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए रेलवे ट्रैक को जल्द दुरुस्त करने का निर्देश दिया. उन्होंने मजदूरों को भी तेजी से कार्य करने का निर्देश दिया। ट्रेनों को सुचारू रुप से परिचालित कराने के लिए हर संभव दिन-रात मरम्मत कार्य जारी है रेलवे के उच्चस्तरीय अधिकारियों द्वारा रेलवे ट्रैक दुरुस्त करने के काम के हर पहलू पर बारीकी से नजर रख रही हैं. ताकि प्रभावित हिस्से को जल्द से जल्द और सुरक्षित रूप से ठीक किया जा सके और ट्रेनों का सामान्य परिचालन जल्द शुरू हो सके जबकि

यात्रियों की परेशानी को लेकर जताई संवेदना

जीएम गीतिका पांडे ने कहा कि अचानक हुए इस घटना के बाद कई ट्रैनों को सुरक्षा की दृष्टिकोण से रद्द किया गया है।रुकावट के दौरान यात्रियों को जो परेशानी और अनिश्चितता झेलनी पड़ रही है। उसे रेलवे अच्छी तरह समझता है। ईस्टर्न रेलवे सभी के धैर्य समझदारी और सहयोग के लिए दिल से धन्यवाद करता है।उन्होंने आश्वाशन दिया कि स्थिति जल्द से जल्द सामान्य होगा ट्रेनों का परिचालन पुनः सुचारू रूप से परिचालित कराई जाएगी।रेलवे यात्रियों की समस्याओं को गंभीरता के साथ समझता है इसलिए किसी भी समस्याओ के सामाधान के लिए रेलवे मजबूती के साथ अपनी सेवा भावना की भूमिका निभा रही है।

लक्ष्मी ने खोला राज

'राका' की सबसे बड़ी तैयारी

अल्लू अर्जुन का इस वक्त पूरा फोकस अपनी अपकमिंग फिल्म 'राका' पर है, जिसे एटली बना रहे हैं. फिल्म का मुंबई में ही शूट चल रहा है. इसी बीच पिक्चर को लेकर इस एक्ट्रेस ने कुछ अपडेट्स दे दिए हैं. इस वक्त कई बड़ी साउथ फिल्मों पर काम चल रहा है, जो अगले साल सिनेमाघरों में रिलीज होंगी. इस लिस्ट में अल्लू अर्जुन की पिक्चर 'राका' भी शामिल है, जिसे एटली बना रहे हैं. वहीं, सन पिक्चर्स वाले फिल्म पर पैसा लगा रहे हैं. अल्लू अर्जुन के अपोजिट फिल्म में दीपिका पादुकोण काम कर रही हैं. फिलहाल मुंबई में ही शूट चल रहा है. यूं तो इस फिल्म से जान्हवी कपूर और रश्मिका मंदाना का नाम भी जुड़ रहा है. पर अबतक मेकर्स ने फिल्म में उनकी एंट्री की जानकारी नहीं दी है. पिक्चर से अबतक सिर्फ अल्लू अर्जुन का लुक सामने आया है, जो खूंखार रोल में दिख रहे हैं. हालांकि उनका लुक और किरदार और भी जबरदस्त होने वाला है. जिसका खुलासा खुद साउथ एक्ट्रेस लक्ष्मी मांचू ने किया है. जो हाल ही में 'राका' के सेट पर पहुंची थीं. लक्ष्मी मांचू ने 'राका' पर दिए नए अपडेट्स से फैन्स के एक्साइटमेंट को दोगुना कर दिया है. हाल ही में 123 तेलुगु डॉट कॉम पर एक रिपोर्ट छपी. जिससे पता लगा कि एक्ट्रेस फिल्म के मुंबई वाले सेट पर पहुंची थीं, और उन्होंने बताया कि वहां जो कुछ भी उन्होंने देखा, उसे देखकर हैरान रह गईं. एक वीडियो में लक्ष्मी मांचू ने कहा कि, उन्होंने अपनी जिंदगी में ऐसे अजीब और अनोखे जानवर कभी नहीं देखे.

अल्लू अर्जुन का 'राका' में होगा इतना जबरदस्त लुक, फिल्म में क्या-क्या देखने को मिलेगा?

'राका' पर किसने दिया सॉलिड अपडेट

दरअसल अल्लू अर्जुन की फिल्म 'राका' को 800 करोड़ रुपये से ज्यादा के बजट में तैयार किया जा रहा है. ऐसे में एक्ट्रेस लक्ष्मी मांचू ने जो कुछ भी सेट पर होने की बात कही है, वो सबकुछ पॉसिबल है. क्योंकि फिल्म से जैसा अल्लू अर्जुन का लुक सामने आया है. मेकर्स कुछ ऐसा ही प्लान करते हुए आगे बढ़ रहे होंगे. एक्ट्रेस ने कहा कि, फिल्म में अल्लू अर्जुन का लुक एकदम जबरदस्त है. मैंने पहले कभी ऐसा कुछ नहीं देखा, जो कुछ भी इस फिल्म के सेट पर देखा है. जो कि एक्ट्रेस की तरफ से दिए गए लेटेस्ट अपडेट्स में से एक है.

2 शादी टूटने के बाद इस एक्ट्रेस ने श्री कृष्ण को समर्पित किया जीवन, बोलीं-

कान्हा ने मेरे दिल की हर कमी को पूरा कर दिया

टीवी के मशहूर शोज नीरजा एक नई पहचान, ज्योति और वीरा में अपनी अदाकरी का जलवा दिखा चुकीं एक्ट्रेस स्नेहा वाघ इन दिनों अध्यात्म की तरफ बढ़ रही हैं। निजी जिंदगी में कई उतार-चढ़ाव देखने के बाद स्नेहा ने अब अपना जीवन श्री कृष्ण की भक्ति को समर्पित करने का फैसला किया है। उनकी दो शादियां हुईं लेकिन दोनों रिश्ते ज्यादा समय तक नहीं चल सके। हालांकि स्नेहा अभी भी एक्टिंग की दुनिया में सक्रिय हैं और फ़िलहाल टीवी शो महादेव एंड सन्स का हिस्सा हैं लेकिन काम के साथ-साथ उनका काफी समय अब मुंबई से दूर मथुरा के छटिकारा और वृंदावन में गुजरता है। हाल ही में वह शो के प्रमोशन के सिलसिले में लखनऊ पहुंची, जहां उन्होंने अपनी आध्यात्मिक यात्रा और जिंदगी में आए बदलावों के बारे में खुलकर बात की। स्नेहा ने बताया कि श्री कृष्ण की शरण में आने के बाद उनका नजरिया और जिंदगी दोनों काफी बदल गए हैं। अब उन्हें अपनी खुशियों के लिए किसी दूसरे व्यक्ति पर निर्भर रहने की जरुरत महसूस नहीं होती। आध्यात्म और कृष्ण भक्ति ने उन्हें भीतर से मजबूत बनाया है और अब स्वःह खुद के साथ ज्यादा सुकून और संतुष्टि महसूस करती हैं।

इस वजह से चुना भक्ति का रास्ता

इसी के साथ स्नेहा ने बताया कि जब मेरा हर किसी से विश्वास उठ गया तो मैंने भक्ति का रास्ता अपना लिया और इस रास्ते पर चलकर बहुत सुकून और खुशी मिली।

3 दिन में बदल गई एक्ट्रेस की जिंदगी

अपने इस सफर के बारे में एक्ट्रेस ने बताया कि जब वो पहली बार वृंदावन गईं थीं तो उन्हें एक मंदिर से बुलावा आया। शुरुआत में स्नेहा वाघ को लगा था कि शायद यह सब किसी तरह का धोखा हो सकता है लेकिन मथुरा-वृन्दावन की उस आध्यात्मिक यात्रा ने उनकी सोच पूरी तरह से बदल दी। उन्होंने बताया कि वहां महज तीन दिन बिताने के बाद उन्हें अपनी जिंदगी में बड़ा बदलाव महसूस होने लगा। कुछ समय वहां रहने और श्री कृष्ण से जुड़ने के बाद उन्हें ऐसा सुकून मिला, जो उन्हें पहले कभी महसूस नहीं हुआ था। उन्हें लगा कि मुंबई की भागदौड़ की जिंदगी अब उनके लिए उतनी मायने नहीं रखती।

इसके बाद एक्ट्रेस ने बताया कि श्री कृष्ण की भक्ति में वह निस्वार्थ और बिना शर्त प्यार मिला, जिसकी तलाश उन्हें लंबे समय से थी। उन्होंने कहा कि अब उन्हें किसी इंसानी रिश्ते की जरुरत महसूस नहीं होती क्योंकि कृष्ण भक्ति ने उनके भीतर के खालीपन को भर दिया है। आज वह खुद को बेहद संतुष्ट और मानसिक रूप से शांत महसूस करती हैं और अपनी इस भक्ति की राह को वह छोड़ना नहीं चाहतीं।

किआरा -तारा संग बोल्ड सीन्स पर यश ने तोड़ी चुप्पी

यश की मचअवेटेड फिल्म 'टॉक्सिकः ए फेयरीटेल फॉर ग्रोन-अप्स' रिलीज से पहले लगातार विवादों में घिरी हुई है। फिल्म के टीजर, ट्रेलर और गानों में महिलाओं के चित्रण को लेकर सवाल उठाए गए हैं। कुछ लोगों ने आरोप लगाया कि फिल्म में महिलाओं को एक खास नजरिए से पेश किया गया है। अब इन आलोचनाओं के बीच यश ने खुलकर फिल्म का बचाव किया है और कहा है कि 'टॉक्सिक' में महिलाओं की अपनी आवाज भी है।

महिलाओं के चित्रण पर क्या बोले यश?

हैदराबाद में फिल्म के प्री-रिलीज इवेंट के दौरान यश से 'टॉक्सिक' में महिलाओं के चित्रण को लेकर सवाल किया गया। अभिनेता ने फिल्म का बचाव करते हुए निर्देशक गीतू मोहनदास के विजन पर भरोसा जताया। यश ने संकेत दिया कि फिल्म को केवल कुछ प्रमोशनल क्लिप्स या सतही दृश्यों के आधार पर जज नहीं किया जाना चाहिए। उनके मुताबिक, कहानी को पूरी तरह देखने के बाद ही इसके किरदारों और उनके नजरिए को समझा जा सकेगा।

'महिलाओं की भी एक आवाज है'

यश ने खास तौर पर इस बात पर जोर दिया कि फिल्म में महिलाओं के किरदार सिर्फ पुरुष किरदारों के इर्द-गिर्द घूमने वाले नहीं हैं। उन्होंने कहा कि महिलाओं की भी अपनी आवाज है और फिल्म में उस आवाज को जगह दी गई है। यश का यह बयान ऐसे समय आया है, जब 'टॉक्सिक' के प्रमोशनल कंटेंट को लेकर सोशल मीडिया पर बहस चल रही है। इससे पहले भी फिल्म के इंटीमेट और बोल्ड सीन्स को लेकर सवाल उठ चुके हैं।

गीतू मोहनदास के डायरेक्शन पर यश को पूरा भरोसा

'टॉक्सिक' की सबसे खास बात यह है कि फिल्म का निर्देशन गीतू मोहनदास ने किया है। यश लगातार उनके विजन का समर्थन करते नजर आए हैं। इससे पहले भी अभिनेता ने फिल्म में दिखाई जा रही 'फीमेल गेज' को लेकर बात की थी और इसे एक अलग तथा नया नजरिया बताया था।

यश के मुताबिक, एक बड़े स्तर की गैंगस्टर एक्शन फिल्म को महिला निर्देशक का विजन मिलना अपने आप में खास बात है। यही वजह है कि वह गीतू के निर्देशन को लेकर काफी उत्साहित हैं।

तुम पर बहुत गर्व है, रुक्मिणी: यश

अपनी टॉक्सिक को-स्टार रुक्मिणी वसंत पर जमकर लुटाई तारीफ

हैदराबाद हैदराबाद में हुए टॉक्सिकः अ फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप्स के प्री-रिलीज़ इवेंट में रुक्मिणी वसंत के लिए एक बेहद स्पेशल और प्राउड मोमेंट देखने को मिला, जब उनके को-स्टार रॉकिंग स्टार यश ने उनकी जमकर तारीफ की और उनके शानदार जर्नी को सेलिब्रेट किया। रुक्मिणी के बारे में बात करते हुए यश ने कहा, आई एम सो हैप्पी। आई एम सो प्राउड दैट शी हैज़ बीन पार्ट ऑफ सच बिग फिल्म्स। शी इज़ पार्ट ऑफ वंडरफुल प्रोजेक्ट्स। आई एम प्राउड दैट शी इज़ अ कन्नड़ गर्ल एंड अ कन्नड़ गर्ल इज़ मेकिंग अ मार्क इन एवरी इंडस्ट्री। वेरी प्राउड ऑफ यू, रुक्मिणी। यू आर अ फैब्युलस एक्टर, अ वेरी नॉलेजबल वन, विच आई रियलाइज़ आफ्टर वर्किंग विद यू। टॉक्सिक में मेलिसा का किरदार निभा रहीं रुक्मिणी फिल्म की दुनिया में अपनी फियर्स और कंपेलिंग प्रेज़ेंस लेकर आने के लिए तैयार हैं। इवेंट में रॉकिंग स्टार यश के दिल से निकले ये शब्द रुक्मिणी के लिए एक बेहद प्राउड मोमेंट रहे और यह उनकी मेहनत, शानदार वर्क और अलग-अलग इंडस्ट्रीज में लगातार बढ़ती उनकी जर्नी को मिल रही अप्रिशिएशन की खूबसूरत झलक भी है। हैदराबाद के टॉक्सिक प्री-रिलीज़ इवेंट में जबरदस्त रिस्पॉन्स देखने को मिला, जहां 45,000+ फैंस फिल्म और उसके स्टार्स को सेलिब्रेट करने के लिए एक साथ जुटे। गीतू मोहनदास के डायरेक्शन में बनी टॉक्सिकः अ फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप्स में रॉकिंग स्टार यश के साथ नयनतारा, कियारा आडवाणी, तारा सुतारिया, रुक्मिणी वसंत और हुमा कुरैशी नजर आएंगी। फिल्म 26 अगस्त 2026 को सिनेमाज़ में रिलीज़ होने के लिए पूरी तरह तैयार है।

कृति सेनन के रक्षा बंधन ऐड पर मचा बवाल!

जमकर भड़क रहे लोग

कृति सेनन के ताजा विज्ञापन पर बवाल मचा हुआ है। यह ऐड एक ज्वेलरी ब्रांड का है, जिसकी थीम रक्षा बंधन है। लेकिन कृति इसमें ब्रालेट पहने दिख रही हैं। इसके अलावा वे कुत्ते को राखी बांधती भी नज़र आ रही हैं। कृति सेनन एक ज्वेलरी ब्रांड के रक्षा बंधन विज्ञापन को लेकर सोशल मीडिया पर विवादों के घेरे में हैं। विज्ञापन में कृति ऑफ-व्हाइट ब्रालेट स्टाइल ब्लाउज, केप और ड्रेप स्कर्ट के साथ ट्रेडिशनल लुक में नजर आती हैं। विज्ञापन में वह अपने पालतू कुत्ते को भी राखी बांधती दिखती हैं। इसी कॉन्सेप्ट और आउटफिट को लेकर कुछ यूजर्स ने सवाल उठाए। कई लोगों ने इसे भारतीय त्योहार की गरिमा से जोड़ते हुए विज्ञापन की आलोचना की, जबकि कुछ ने ब्रांड को भी निशाने पर लिया।

रक्षा बंधन विज्ञापन में कृति सेनन के लुक पर क्यों मचा बवाल?

रक्षा बंधन से जुड़े ज्वेलरी विज्ञापन में कृति सेनन ऑफ-व्हाइट ब्रालेट स्टाइल ब्लाउज के साथ केप और ड्रेप स्कर्ट पहने दिखाई देती हैं। कुछ सोशल मीडिया यूजर्स को यह स्टाइलिंग पसंद नहीं आई और उन्होंने इसे त्योहार से जुड़े विज्ञापन के लिए अनुचित बताया। एक यूजर ने इसे 'सिक' और 'बेहद शर्मनाक' तक कहा। इसके बाद विज्ञापन के कॉन्सेप्ट और कृति के लुक को लेकर ऑनलाइन बहस तेज हो गई।

कुत्ते को राखी बांधने वाले सीन पर भी क्यों उठे सवाल?

विज्ञापन में कृति सेनन एक कुत्ते को राखी बांधती नजर आती हैं। वीडियो में कुत्ता भौंकता दिखाई देता है और कृति उसे परिवार का हिस्सा मानते हुए राखी बांधती हैं। इस सीन पर भी कुछ यूजर्स ने आपत्ति जताई। आलोचकों ने सवाल किया कि रक्षा बंधन जैसे पारंपरिक त्योहार पर विज्ञापन में इस तरह के कॉन्सेप्ट और प्रस्तुति को क्यों चुना गया।

पहली सैलरी थी महज 2000

आज सिनेमा जगत पर करती हैं राज

एक्ट्रेस ने एक मैग्जीन के लिए फोटोशूट करवाया था, जिसके लिए उन्हें 2000 से 3000 रुपये मिले. वह उनकी पहली सैलरी भी थी. फिर एक दिन उनकी फोटो पर डायरेक्टर की नजर पड़ी और उन्हें सिनेमा की दुनिया में पहला ब्रेक मिला. राजनीकांत के साथ फिल्म 'चंद्रमुखी' ने उन्हें पॉपुलर बनाया. आज वे सिनेमा जगत पर राज करती हैं. वे उन चुनिंदा एक्ट्रेसेज में से एक हैं, जिन्हें सुपरस्टार का दर्जा मिला है. आज एक्ट्रेस सिनेमा जगत की बड़ी स्टार हैं, मगर जब उन्होंने करियर शुरू किया था, तब उनकी सैलरी दो से तीन हजार थी. वे फिलहाल अपनी रोमांटिक ड्रामा फिल्म 'हाई' की रिलीज की तैयारी कर रही हैं. उन्होंने अपने शुरुआती दिनों को याद किया और बताया कि उनकी पहली सैलरी सिर्फ 2000 से 3000 रुपये थी. सिनेमा में आने से पहले एक्ट्रेस ने मॉडल के तौर पर काम करना शुरू कर दिया था. दिलचस्प बात यह है कि उन्हीं मॉडलिंग असाइनमेंट में से एक ने उनके एक्टिंग करियर को शुरू करने में अहम भूमिका निभाई. हम लेडी सुपरस्टार नयनतारा की बात कर रहे हैं. पर्ल माने से बातचीत के दौरान नयनतारा से उनकी पहली नौकरी और रकम के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने बताया कि यह एक मैगजीन से जुड़ा था. नयनतारा ने कहा, 'मुझे लगता है कि यह मैग्जीन के कवर शूट के लिए था. मुझे लगता है कि मुझे एक फैशन प्रोग्राम के लिए बुलाया गया था.' जब नयनतारा से उनकी पहली सैलरी के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने बताया कि उन्हें उस काम के लिए लगभग 2000 से 3000 रुपये मिले थे. हालांकि, नयनतारा के लिए मैग्जीन वाला काम उससे कहीं ज्यादा अहम साबित हुआ, जितना उन्होंने उस समय सोचा भी नहीं था. नयनतारा का सिनेमा का सफर तब शुरू हुआ, जब फिल्ममेकर सत्यन अंथिकाड ने मैगजीन में उनकी तस्वीर देखी.

'उधार चुकाना है...

वायरल हुई अभिनेता की पोस्ट

रितेश देशमुख और जेनेलिया एक पार्टी में शामिल होने के लिए रविवार को मुंबई के रेस्त्रां में नजर आए। जब दोनों वहां से बाहर निकले तो पैपराजी ने घेर लिया। इसी बीच ऐसी घटना घटी कि उन्हें एक शख्स ने कुछ पैसे उधार दिए। इस उधार को वह चुकाना चाहते हैं। उस शख्स का नंबर सोशल मीडिया पर मांग रहे हैं। जानिए, क्या है ये पूरा मामला?

किसने और क्यों दिए रितेश को पैसे?

जब पैपराजी रितेश और जेनेलिया की फोटो ले रहे थे तो कुछ छोटे बच्चे पैसे मांगने लगे। रितेश के पास उस वक्त पैसे नहीं थे। ऐसे में एक पैपराजी ने उनकी तरफ से बच्चों को पैसे दे दिए। इस बात के लिए रितेश ने उसे शुक्रिया कहा। अब उसी पैपराजी की तस्वीर अपने इंस्टाग्राम पोस्ट पर साझा करते हुए, वह उसका नंबर मांग रहे हैं।

रितेश को चुकाना है उधार

अपनी पोस्ट में रितेश लिखते हैं, 'भाऊ धन्यवाद। प्लीज मुझे उसका नंबर दिलाने में मदद करो। उसने मेरे लिए पैसे दिए थे। मुझे उसका उधार चुकाना है।'

रितेश चाहते हैं कि वह पैपराजी को उसके पैसे लौटा दें।

नेपाल की ग्लेशियर त्रासदी के बीच हिमाचल के बांधों की सुरक्षा पर नजर

15 में 12 पहली श्रेणी में, तीन बांधों में कमियां

शिमला। हिमालय में ग्लेशियर व जलस्रोतों से जुड़े खतरे कितने गंभीर हो सकते हैं, इसकी ताजा मिसाल 26 अगस्त को नेपाल में सामने आई, जब ग्लेशियर का एक हिस्सा टूटने के बाद अचानक बाढ़ और मलबे का सैलाब आया। इस घटना ने हिमालयी क्षेत्र में ग्लेशियर, ग्लेशियर झील और जलविद्युत परियोजनाओं की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ाई है। इसी संदर्भ में हिमाचल प्रदेश में बांधों की सुरक्षा से जुड़ी वार्षिक रिपोर्ट भी महत्वपूर्ण है। रिपोर्ट को हाल ही में विधानसभा के मानसून सत्र के दौरान सदन में रखा गया। इसके मुताबिक राज्य बांध सुरक्षा संगठन के अधिकार क्षेत्र में आने वाले सभी 15 निर्दिष्ट बांधों का संभावित खतरा वर्गीकरण पूरा हो चुका है। इनमें 12 बांध संभावित खतरे की पहली श्रेणी यानी क्लास-क में और तीन बांध दूसरी श्रेणी यानी क्लास-कक्क में रखे गए हैं। तीसरी और चौथी श्रेणी में कोई बांध नहीं है।

Tidong HEP

ज्यादातर बांध संतोषजनक, तीन में सुधार की जरूरत

राज्य बांध सुरक्षा संगठन की वर्ष 2025-26 की रिपोर्ट में निरीक्षण रिपोर्टों की जांच और राज्य बांध सुरक्षा समिति की बैठकों में हुई चर्चा का विवरण दिया गया है। रिपोर्ट के अनुसार ज्यादातर निर्दिष्ट बांध संतोषजनक तरीके से काम कर रहे हैं और उनकी सुरक्षा को प्रभावित करने वाली कोई बड़ी संरचनात्मक या संचालन संबंधी कमी नहीं मिली। तीन बांधों को दूसरी श्रेणी में रखा गया है। इनमें गिरि जटोन बैराज, मलाणा-2 जलविद्युत परियोजना और मलाणा-1 जलविद्युत परियोजना शामिल हैं। इन परियोजनाओं में मिली कमियों के लिए लगातार निगरानी और समय पर सुधारात्मक कदम उठाने की जरूरत बताई गई है। रिपोर्ट में संरचनात्मक मरम्मत, स्पिलवे का काम पूरा करने, काम नहीं कर रहे निगरानी उपकरणों को ठीक करने और आपात स्थिति से निपटने की व्यवस्था मजबूत करने जैसे कामों का उल्लेख है।

गिरि जटोन में दरारें और निगरानी उपकरण बंद, मलाणा परियोजनाओं में काम लंबित

गिरि जटोन बैराज के एक पियर के एक्सपेंशन ज्वाइंट में अलग-अलग स्तर पर बैठने के संकेत मिले हैं। मानसून से पहले और बाद के निरीक्षण में इसकी जानकारी सामने आई। इस स्थिति पर नजर रखने के लिए लगाया गया उपकरण इस समय काम नहीं कर रहा है। बैराज के नीचे की तरफ सुरक्षा के लिए किए गए कामों को भी कई जगह नुकसान पहुंचा है। कुछ स्थानों पर कंक्रीट ब्लॉक और कर्टेन वॉल के हिस्से खिसक गए हैं। संरचना के कुछ हिस्सों में दरारें भी मिली हैं। रिपोर्ट में सुधारात्मक कार्रवाई और करीबी निगरानी की जरूरत बताई गई है। इस संबंध में अनुपालन रिपोर्ट अभी लंबित है और आपातकालीन चेतावनी प्रणाली लागू नहीं होने का भी उल्लेख किया गया है। मलाणा-2 में अतिरिक्त स्पिलवे का काम काफी देर से चल रहा है। बांध के रेडियल गेटों के हाइड्रोलिक होइस्ट को बदलने का काम भी पूरा नहीं हुआ है। रिपोर्ट में कहा गया है कि बाढ़ संभालने की क्षमता और परियोजना की सुरक्षा के लिए अतिरिक्त स्पिलवे का काम पूरा होना जरूरी है। मलाणा-1 में बैलेंसिंग रिजर्वायर की रिटेनिंग वॉल की बड़ी मरम्मत और पुनर्वास का काम चल रहा है। इन कामों के पूरा होने और उसके बाद सुरक्षा आकलन तक परियोजना रन-ऑफ-द-रिवर व्यवस्था के तहत चल रही है।

खतरे का आकलन कैसे हुआ और बांध सुरक्षा का दायरा कितना बड़ा

रिपोर्ट के अनुसार किसी बांध की संभावित खतरा क्षमता तय करते समय परियोजना की पूंजीगत लागत, संभावित जनहानि, संपत्ति को होने वाले नुकसान और पर्यावरण तथा सांस्कृतिक प्रभाव को देखा जाता है। बांध सुरक्षा अधिनियम, 2021 की धारा 17 के तहत राज्य बांध सुरक्षा संगठन को अपने अधिकार क्षेत्र के हर बांध का उसकी संवेदनशीलता और खतरे के आधार पर वर्गीकरण करना होता है। राष्ट्रीय बांध सुरक्षा प्राधिकरण ने इसके लिए बांधों की संवेदनशीलता और खतरा वर्गीकरण से जुड़े नियम 2024 में अधिसूचित किए थे, जो 5 दिसंबर 2024 को प्रकाशित हुए। रिपोर्ट में बताया गया है कि हिमाचल में 15 निर्दिष्ट बांध हैं और सभी 15 का वर्गीकरण पूरा हो चुका है। इनमें 12 क्लास-कऔर तीन क्लास-कक्क में हैं। रिपोर्ट का जोर इस बात पर है कि जिन बांधों में कमियां सामने आई हैं, उन पर लगातार नजर रखी जाए और तय सुधारात्मक कदम समय पर पूरे किए जाएं।

हिमाचल में 26 चालू बांध, 12,438 मेगावाट क्षमता का दोहन

हिमाचल प्रदेश में इस समय 26 बांध चालू हैं। चार बांध निमार्णाधीन हैं और एक बांध को चालू करने की प्रक्रिया में है। इनमें से 17 बांध राज्य बांध सुरक्षा संगठन के अधिकार क्षेत्र में आते हैं। इन 17 बांधों में 11 निजी बिजली उत्पादक कंपनियों के स्वामित्व में हैं, जबकि छह सरकारी एजेंसियों के स्वामित्व और संचालन में हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि बांधों की सुरक्षा के लिए संरचनात्मक इंजीनियरिंग, भूविज्ञान, जल विज्ञान, भू-तकनीकी इंजीनियरिंग, उपकरणों की निगरानी और आपदा प्रबंधन जैसे क्षेत्रों के विशेषज्ञों की जरूरत होती है। हिमाचल में करीब 27 हजार मेगावाट जलविद्युत क्षमता का अनुमान है। इसमें 24,567 मेगावाट क्षमता को दोहन योग्य माना गया है। अब तक भंडारण बांधों और नदी के बहाव पर आधारित परियोजनाओं से 12,438 मेगावाट क्षमता का दोहन किया जा चुका है।

आधुनिक शिक्षा और नवाचार से नई पीढ़ी का भविष्य गढ़ रहे शिक्षक : योगी आदित्यनाथ

लखनऊ। शिक्षक दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश के सभी शिक्षकों और गुरुजनों को शुभकामनाएं दी हैं। मुख्यमंत्री ने शनिवार को अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर सेल्फी वीडियो साझा करते हुए उत्तर प्रदेश की प्राचीन ज्ञान परंपरा को याद किया और आधुनिक शिक्षा व्यवस्था में शिक्षकों की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया। मुख्यमंत्री योगी ने जारी बयान में कहा कि प्रदेश की विशिष्ट ज्ञान परंपरा को आधुनिक स्वरूप में नई पीढ़ी तक पहुंचाने वाले सभी गुरुजनों और शिक्षकों को वह शिक्षक दिवस की हार्दिक बधाई देते हैं। उत्तर प्रदेश प्राचीन काल से ज्ञान, साधना और संस्कारों की पावन भूमि रहा है। काशी ने विश्व को ज्ञान का प्रकाश दिया, जबकि सारनाथ में भगवान बुद्ध ने अपना प्रथम उपदेश दिया था। अयोध्या, मथुरा-वृंदावन और प्रयागराज भी सनातन ज्ञान परंपरा के प्रमुख केंद्र रहे हैं। मुख्यमंत्री ने शुकतीर्थ और नैमिषारण्य की ज्ञान परंपरा का भी उल्लेख किया।

शिक्षकों को विकसित भारत 2047 के निर्माण के लिए बच्चों को तैयार करना होगा : प्रह्लाद जोशी

नई दिल्ली। केंद्रीय शिक्षा मंत्री प्रह्लाद जोशी ने इस वर्ष राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार प्राप्त करने वाले शिक्षकों से संवाद किया। उन्होंने कहा कि शिक्षक देश के भविष्य को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। शिक्षकों को बच्चों को इस तरह तैयार करना चाहिए कि वे वर्ष 2047 तक विकसित भारत के निर्माण में अपना योगदान दे सकें। प्रह्लाद जोशी ने कहा कि विद्यार्थी राष्ट्र की सबसे बड़ी संपत्ति हैं। इसलिए उनका केवल किताबी ज्ञान तक

सीमित विकास नहीं होना चाहिए, बल्कि उन्हें एक सर्वांगीण व्यक्तित्व के रूप में तैयार किया जाना जरूरी है। उन्होंने शिक्षकों से विद्यार्थियों में ज्ञान, कौशल, आत्मविश्वास और अच्छे मूल्यों का विकास करने का आह्वान किया।केंद्रीय शिक्षा मंत्री ने राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार प्राप्त करने वाले शिक्षकों के योगदान और उनके अनुभवों की सराहना की। उन्होंने कहा कि शिक्षकों की मेहनत और नवाचार देश की शिक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।इस अवसर पर दोनों शिक्षा राज्य मंत्री जयंत चौधरी और डॉ. सुकांत मजूमदार भी उपस्थित रहे।

खतरे के निशान से 110 सेमी ऊपर बह रही गंगा इस्माईलपुर-बिंदटोली तटबंध पर बढ़ा दबाव

भागलपुर। इस्माईलपुर-बिंदटोली तटबंध क्षेत्र में गंगा नदी का जलस्तर लगातार बढ़ने से बाढ़ का खतरा गहरा गया है। तीन सितंबर से शुरू हुआ जलस्तर में वृद्धि का सिलसिला बदस्तूर जारी है। पांच सितंबर की सुबह छह बजे स्पर संख्या सात के पास गंगा का जलस्तर 32.70 मीटर दर्ज किया गया, जो खतरे के निशान (31.60 मीटर) से 110 सेंटीमीटर ऊपर है। विभागीय आंकड़ों के मुताबिक, चार सितंबर की शाम छह बजे इस क्षेत्र में गंगा का जलस्तर करीब 32.55 मीटर था। इसके बाद अगले 12 घंटे के भीतर नदी के जलस्तर में 15 सेंटीमीटर की भारी बढ़ोतरी दर्ज की गई, जिससे यह सुबह 32.70 मीटर पर पहुंच गया। जलस्तर में हो रही इस तेज वृद्धि के कारण नदी का पानी अब तटबंध के टो को छूने लगा है।

नदी का जलस्तर बढ़ने से इस्माईलपुर-बिंदटोली तटबंध और उससे जुड़े स्परों पर भारी दबाव देखा जा रहा है।

विशेष रूप से स्पर संख्या नौ पर नदी की तेज लहरों का सीधा दबाव बना हुआ है। पानी के बढ़ते दबाव को देखते हुए पूरे प्रभावित क्षेत्र में सतर्कता बढ़ा दी गई है। आशंका जताई जा रही है कि यदि जलस्तर में इसी तरह बढ़ोतरी जारी रही, तो तटबंध की सुरक्षा के लिए चुनौती खड़ी हो सकती है। जल संसाधन विभाग ने फिलहाल तटबंध को पूरी तरह सुरक्षित बताया है, लेकिन स्थिति को देखते हुए निगरानी का स्तर काफी बढ़ा दिया गया है। विभागीय कर्मी दिन-रात तटबंध और स्परों की स्थिति पर पैनी नजर रख रहे हैं।

मामले की गंभीरता को देखते हुए सहायक अभियंता ई. नयन भारद्वाज ने बताया कि तटबंध की लगातार मॉनिटरिंग की जा रही है। विभाग की विशेष टीम जलस्तर के उतार-चढ़ाव और तटबंध की सुरक्षात्मक स्थिति पर पल-पल की रिपोर्ट ले रही है ताकि किसी भी आपात स्थिति से तुरंत निपटा जा सके।

फरक्का रेल संकट के बीच बस किराए में भारी उछाल, 17 सौ का टिकट छह हजार तक पहुंचा

कोलकाता । न्यू फरक्का स्टेशन के पास रेलवे ट्रैक के नीचे धंसान के बाद उत्तर बंगाल से कोलकाता के बीच रेल यातायात बुरी तरह प्रभावित हो गया है। उत्तर बंगाल आने-जाने वाली बड़ी संख्या में ट्रेनें रद्द हैं, जबकि कुछ ट्रेनों को वैकल्पिक मार्ग से चलाया जा रहा है। रेल सेवा बाधित होने के बाद यात्रियों का दबाव अब बसों पर बढ़ गया है। राज्य सरकार की ओर से अतिरिक्त और स्पेशल बसें चलाने के बावजूद यात्रियों की भीड़ कम होती नजर नहीं आ रही है।सबसे बड़ी परेशानी उन लोगों को हो रही है, जो इलाज के लिए उत्तर बंगाल से कोलकाता आते हैं। मालदा, उत्तर दिनाजपुर, दक्षिण दिनाजपुर, मुर्शिदाबाद सहित विभिन्न जिलों से बड़ी संख्या में मरीज रात की ट्रेन पकड़कर कोलकाता पहुंचते हैं और सुबह सरकारी मेडिकल कॉलेजों में इलाज कराने के बाद बस या ट्रेन से वापस लौटते हैं। रेल सेवा बाधित होने से इन मरीजों और उनके परिजनों के सामने अब घर लौटने का संकट खड़ा हो गया है।

धर्मतला बस टर्मिनस और निजी बस काउंटरों पर यात्रियों की लंबी कतार देखने को मिल रही है। यात्रियों का आरोप है कि मांग बढ़ने का फायदा उठाकर कुछ निजी बसों में किराया कई गुना बढ़ा दिया गया है। आरोप है कि करीब 17 सौ रुपये का टिकट ह्यडायनेमिक फेयरह्ल के नाम पर 6 हजार रुपये तक में बेचा जा रहा है। कुछ यात्रियों के मुताबिक दोपहर में जिस टिकट की कीमत करीब 3,000 रुपये थी, वह महज एक घंटे के भीतर बढ़कर 5,900 रुपये तक पहुंच गई।

इस संकट का सबसे दर्दनाक उदाहरण मालदा निवासी कैंसर मरीज नवकांत बसाक (70) का है। उन्हें उनके बेटे-बेटियां इलाज और कीमोथेरेपी के लिए कोलकाता लेकर आए थे। रेल सेवा बंद होने के बाद परिवार ने बस से लौटने की कोशिश की, लेकिन टिकट नहीं मिलने के कारण उन्हें एस्प्लेनेड बस टर्मिनस में पेड़ के नीचे इंतजार करना पड़ा।नवकांत के बेटे सुजीत बसाक के मुताबिक, पिता की हालत ऐसी है कि उन्हें लेटाकर ले जाना बेहतर होगा, लेकिन ट्रेन सेवा कब सामान्य होगी, इसकी कोई स्पष्ट जानकारी नहीं मिल रही है। बस से लौटने के लिए धर्मतला पहुंचे तो वहां भी यात्रियों की संख्या के मुकाबले बसें बेहद कम नजर आईं।रायगंज निवासी बूलू घोष ने बताया कि उनके मरीज को करीब 10 दिनों तक पीजी अस्पताल में भर्ती रखा गया था और शुक्रवार को छुट्टी मिली। ट्रेन बंद होने के बाद वह बस से घर लौटने पहुंचे, लेकिन टिकट कब मिलेगा और बस कब मिलेगी, इसका कोई भरोसा नहीं ह रेल संकट को देखते हुए राज्य परिवहन विभाग ने अतिरिक्त बसें चलाने का फैसला किया है।

चीन ने पहली बार मौत का आंकड़ा किया सार्वजनिक अब तक 31 शव बरामद और 531 लोग लापता

काठमांडू। नेपाल-चीन सीमा स्थित गिरोंग क्षेत्र में 26 अगस्त को हुए भूस्खलन के बाद नदी में आई बाढ़ से सीमा क्षेत्र में चीन के तरफ रहे इमिग्रेशन एवं कस्टम भवन से शुक्रवार शाम 6 बजे तक 31 लोगों के शव बरामद होने तथा 531 लोगों के संपर्कविहीन होने की आधिकारिक जानकारी चीन के तरफ से दी गई है।

चीन की सरकारी समाचार एजेंसी के मुताबिक भूस्खलन के बाद नदी में आई बाढ़ में इस भवन में रहे 531 लोग लापता हैं। एजेंसी के मुताबिक बचावकर्मियों ने प्रभावित क्षेत्र से 987 व्यक्तिगत सामान बरामद किए हैं।चीनी अधिकारियों के अनुसार, बुधवार तक जी-216 बचाव मार्ग का निरीक्षण करने के दौरान संभावित भूगर्भीय आपदा के 58 स्थानों की पहचान की गई है।चीनी अधिकारियों ने दावा किया हैं कि सीमा क्षेत्र में संभावित जोखिम वाले क्षेत्रों का निरीक्षण और जोखिम आकलन भी पूरा कर लिया है। इसके साथ ही दो अस्थायी आपातकालीन आश्रयस्थलों के लिए स्थानों का चयन किया गया है।विनाशकारी भूस्खलन के कारण गिरोंग बंदरगाह से होकर बहने वाली बाढ़ ने कई इमारतों और बिजली आपूर्ति व्यवस्था को नष्ट कर दिया। इसके अलावा, गिरोंग बंदरगाह की ओर जाने वाले जी-216 राजमार्ग का एक हिस्सा भी क्षतिग्रस्त हो गया। इससे आपदा प्रबंधन और बचाव कार्यों में गंभीर बाधा उत्पन्न हुई है।

नेपाल में लापता कर्नाटकवासियों की पहचान के लिए बेंगलुरु अस्पताल को बनाया गया डीएनए प्रोफाइलिंग का नोडल केंद्र

बेंगलुरु। नेपाल में लापता कर्नाटक के लोगों की पहचान और आवश्यकता पड़ने पर मृतकों के पार्थिव शरीर को स्वदेश लाने की प्रक्रिया में सुविधा के लिए बेंगलुरु के बॉरिंग एवं लेडी कर्जन अस्पताल को डीएनए प्रोफाइलिंग का नोडल केंद्र बनाया गया है। ग्रेटर बेंगलुरु प्राधिकरण (जीबीए) के मुख्य आयुक्त ने शनिवार को जारी विज्ञप्ति में यह जानकारी दी। विज्ञप्ति के अनुसार, नेपाल में लापता लोगों की पहचान में सहयोग के लिए उनके प्रथम श्रेणी के परिजनों के डीएनए नमूने लिए जाएंगे। लापता व्यक्ति के माता-पिता, पुत्र या पुत्री नमूना दे सकते हैं। डीएनए नमूना देने वाले परिजनों को हाल का पासपोर्ट आकार का फोटो, आधार कार्ड या कोई अन्य सरकारी पहचान पत्र तथा लापता व्यक्ति से संबंध प्रमाणित करने वाले आवश्यक दस्तावेज साथ लाने होंगे। विधि-विज्ञान चिकित्सा विभाग के प्रोफेसर एवं प्रमुख डॉ. नागेश कुप्पस्त को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। उनसे 9742707500 पर संपर्क किया जा सकता है। रेजिडेंट चिकित्सा अधिकारी डॉ. वादिराज बी. पोक्कन से 9448408640 पर संपर्क किया जा सकता है। जीबीए ने अधिक जानकारी, मार्गदर्शन और आवश्यक सहायता के लिए हेल्पलाइन नंबर 1533 पर संपर्क करने की अपील की है।

बरेली में हाईटेंशन लाइन की चपेट में आया मजदूर, तीन मंजिल से गिरकर मौत

बरेली,। उत्तर प्रदेश के जनपद बरेली के बहेड़ी नगर के मोहल्ला मोहम्मदपुर में शनिवार सुबह निमार्णाधीन मकान में काम कर रहे एक मजदूर की हाईटेंशन लाइन की चपेट में आने से मौत हो गई। 11 हजार वोल्ट की लाइन से करंट लगने के बाद मजदूर बुरी तरह झुलस गया और करीब तीन मंजिल की ऊंचाई से नीचे जा गिरा। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। सूचना पर पहुंचे परिजन आनन-फानन में उसे निजी अस्पताल लेकर गए, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद परिवार में चीख-पुकार मच गई। मोहल्ला मोहम्मदपुर निवासी मोहम्मद हसन (35) पुत्र अकबर मजदूरी कर परिवार का पालन-पोषण करते थे। शनिवार सुबह करीब दस बजे वह पावर हाउस के सामने स्थित एक निमार्णाधीन मकान में काम कर रहे थे। इसी दौरान मकान के पास से गुजर रही 11 हजार वोल्ट की हाईटेंशन लाइन की चपेट में आ गए। तेज करंट लगने से वह गंभीर रूप से झुलस गए। करंट का झटका लगने के बाद उनका संतुलन बिगड़ गया और वह करीब तीन मंजिल की ऊंचाई से नीचे जा गिरे।हादसे की आवाज सुनकर आसपास मौजूद लोग मौके पर पहुंच गए। लोगों ने घटना की जानकारी परिजनों को दी। परिजन और स्थानीय लोग घायल मजदूर को तत्काल निजी अस्पताल लेकर पहुंचे, लेकिन डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। मोहम्मद हसन की मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। पत्नी और अन्य परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

दलाई लामा के नेतृत्व में तिब्बत ने विश्व इतिहास में नया अध्याय जोड़ा : शांता कुमार

शिमला। पूर्व मुख्यमंत्री एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री शांता कुमार ने कहा कि तिब्बती धर्मगुरु दलाई लामा के नेतृत्व में तिब्बत के निवासियों ने विश्व इतिहास में एक नया अध्याय जोड़ा है। उन्होंने कहा कि तिब्बत के पास आज अपना कोई स्वतंत्र देश नहीं है और वहां की संस्कृति, पहचान तथा अस्तित्व को समाप्त करने के प्रयास किए जा रहे हैं। इसके बावजूद तिब्बत राष्ट्र ने विश्व इतिहास में अपना अस्तित्व और सम्मान बनाए रखा है। शांता कुमार ने शनिवार को एक बयान में कहा कि तिब्बत की अपनी सरकार, संसद, प्रधानमंत्री और मंत्री हैं। संसद के विधिवत चुनाव होते हैं तथा विश्व के विभिन्न देशों में रहने वाले तिब्बती नागरिक इन चुनावों में मतदान करते हैं। संसद के नियमित अधिवेशन आयोजित होते हैं और निर्वासित तिब्बत सरकार लोकतांत्रिक ढंग से अपना कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि तिब्बत का अपना स्वतंत्र देश भले ही नहीं है, लेकिन तिब्बत का प्रश्न आज भी पूरे विश्व में प्रमुखता से चर्चा का विषय बना हुआ है। साथ ही तिब्बत की संस्कृति, परंपराएं और रीति-रिवाज भी सुरक्षित हैं।उन्होंने कहा कि विश्व इतिहास में यह अपने प्रकार की अनूठी घटना है कि किसी राष्ट्र का अपना देश छिन जाने के बावजूद उसकी राष्ट्रीय पहचान, सरकार और संसद जीवित हैं तथा लोकतांत्रिक व्यवस्था के माध्यम से काम कर रही हैं। शांता कुमार ने कहा कि तिब्बत लंबे समय तक शांतिपूर्ण जीवन जीने वाला देश रहा है। महात्मा बुद्ध का जन्म भारत में हुआ, लेकिन बौद्ध धर्म के गहन दर्शन और आध्यात्मिक परंपराओं का व्यापक विकास तिब्बत में हुआ। उन्होंने कहा कि छोटा सा तिब्बत शांति से अपना जीवन व्यतीत कर रहा था और उसने कभी किसी देश की ओर आक्रामक दृष्टि से नहीं देखा। उन्होंने चीन द्वारा तिब्बत पर किए गए कब्जे और वहां की पहचान को समाप्त करने के प्रयासों को इस सदी की बड़ी त्रासदी और महापाप करार दिया। उन्होंने कहा कि तमाम कठिन परिस्थितियों के बावजूद तिब्बत ने विश्व इतिहास में अपना अलग स्थान बनाए रखा है और सम्मान के साथ अपनी पहचान कायम रखी है। शांता कुमार ने कहा कि तिब्बत की इस उपलब्धि का सबसे बड़ा श्रेय तिब्बती धर्मगुरु दलाई लामा को जाता है। उनके नेतृत्व, संघर्ष और शांतिपूर्ण प्रयासों ने तिब्बत के प्रश्न को पूरी दुनिया के सामने जीवित रखा है।

बांग्लादेश में खसरे का कहर, एक हजार के करीब पहुंची बच्चों की मौत

ढाका। बांग्लादेश में खसरे का प्रकोप लगातार गंभीर होता जा रहा है। देश में मार्च से अब तक खसरे और खसरे जैसे लक्षणों से 987 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि अकेले पिछले 24 घंटों में 1,114 संदिग्ध मामले सामने आए हैं। मृतकों में बड़ी संख्या बच्चों की है। स्वास्थ्य विभाग के आंकड़े बताते हैं कि यह प्रकोप दशकों में देश में सामने आए सबसे गंभीर खसरा संकटों में से एक बन गया है। बांग्लादेश की सरकारी समाचार एजेंसी बांग्लादेश संगबाद संस्था (बीएसएस) तथा ताइवान की राष्ट्रीय समाचार सेंट्रल न्यूज एजेंसी (सीएनए) ने स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय (डीजीएचएस) के हवाले से बताया कि, 15 मार्च से अब तक संदिग्ध खसरे से 888 बच्चों की मौत हुई है। वहीं, कन्फर्म खसरे से मरने वालों की संख्या 99 है। पिछले 24 घंटों में कन्फर्म खसरे से किसी मौत की सूचना नहीं मिली। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, 15 मार्च से अब तक 1,62,262 संदिग्ध खसरे के मामले सामने आ चुके हैं। इनमें से 19,567 मामले कन्फर्म हुए हैं। पिछले 24 घंटों में 40 नए कन्फर्म मामले दर्ज किए गए। इस दौरान 1,42,453 संदिग्ध मरीजों को अस्पताल में भर्ती कराया गया, जिनमें से 1,37,350 मरीज इलाज के बाद स्वस्थ होकर घर लौट चुके हैं। राजधानी ढाका के बच्चों के अस्पतालों में खसरे से संक्रमित और संदिग्ध मरीजों की संख्या बढ़ने से स्वास्थ्य व्यवस्था पर दबाव बढ़ गया है। अस्पताल के खसरा वार्ड में बड़ी संख्या में छोटे बच्चे भर्ती हैं और कई मरीजों को सांस लेने में गंभीर परेशानी के कारण ऑक्सीजन की जरूरत पड़ रही है।अस्पताल में भर्ती एक छह महीने के बच्चे अयान को पहले निमोनिया के कारण भर्ती कराया गया था। बाद में उसे खसरा हो गया। डॉक्टरों के मुताबिक, पहले से कमजोर फेफड़ों और कुपोषण के कारण उसकी स्थिति और गंभीर हो गई।

न्यूज IN ब्रीफ

मनोहरपुर विधानसभा अंतर्गत समीज आश्रम में मनाई गई जन्माष्टमी

संवाददाता : श्रद्धा, निष्ठा और आस्था तथा प्रकृति के अनुपम स्थल के रूप में प्रख्यात समीज आश्रम में अवस्थित मंदिर प्रांगण में भगवान श्री कृष्ण का जन्म महाकृष्ण अष्टमी हर्षोल्लास और धूमधाम से मनाया गया। रात्रि बेला 12 बजे भगवान श्री कृष्ण के जन्म के साथ ही मंदिर के पुजारी मनोरंजन पंडा (मन्नु पंडित जी)के द्वारा विशेष पूजा अर्चना की गई । इस अवसर पर काफी संख्या में भक्तजन और श्रद्धालु उपस्थित थे।

पाटन सीएचसी में एसडीओ का औचक निरीक्षण, प्रभारी समेत 14 डॉक्टर-कर्मी गायब

मेदिनीनगर : मेदिनीनगर सदर अनुमंडल पदाधिकारी संजय पांडेय के औचक निरीक्षण में पाटन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की कई अनियमितताएं उजागर हुईं। निरीक्षण के दौरान प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी समेत 14 डॉक्टर-कर्मी ड्यूटी से नदारद मिले। गृह रक्षक पूनम कुमारी भी अनुपस्थित थीं, लेकिन उनके द्वारा अगले दिन तक की अग्रिम हाजिरी बनाए जाने की बात सामने आई। डॉ. रामाश्रय रजिस्टर में हस्ताक्षर के बावजूद गायब मिले और उनके निजी क्लीनिक चलाने की जानकारी सामने आई।

अस्पताल में ड्यूटी रोस्टर गायब, वैक्सीन स्टॉक पंजी अद्यतन नहीं और प्रभारी की टेबल पर निजी पैथोलॉजी लैब का कार्ड मिला। ओपीडी व ड्रेसिंग रूम में गंदगी तथा बायो-मेडिकल वेस्ट प्रबंधन की कमी भी मिली। निरीक्षण के दौरान अस्पताल में एक भी मरीज भर्ती नहीं था। मामले में अब जिला प्रशासन की कार्रवाई पर नजर है।

ई-रिक्शा और ऑटो चालकों का हंगामा, सड़क जाम कर जताया विरोध

धनबाद : ट्रैफिक पुलिस की कार्रवाई को लेकर ई-रिक्शा और ऑटो चालकों में आक्रोश है। शुक्रवार को बड़ी संख्या में ई-रिक्शा और ऑटो चालकों ने धनबाद थाना के पास मुख्य सड़क को जाम कर विरोध-प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि पिछले दो दिनों में ट्रैफिक पुलिस ने करीब 300 ई-रिक्शा और ऑटो को जब्त कर थाना परिसर में खड़ा कर दिया है।

ई-रिक्शा और ऑटो चालकों का कहना है कि ट्रैफिक पुलिस द्वारा उन्हें कार्रवाई की वजह की स्पष्ट जानकारी नहीं दी जा रही है। उनका आरोप है कि कई वाहन मालिक चालान की राशि जमा करने के बाद भी अपने वाहन छुड़ाने के लिए परेशान हैं। चालकों के मुताबिक, वाहन जब्त रहने से रोजाना की कमाई प्रभावित हो रही है और परिवार का खर्च चलाना मुश्किल हो रहा है।

प्रदर्शन कर रहे ई-रिक्शा और ऑटो चालकों ने ट्रैफिक पुलिस पर मनमानी करने का आरोप लगाया है। चालकों ने कहा कि सड़क पर वाहनों को रोक कर सीधे थाना भेज दिया जा रहा है। उनका आरोप है कि नियमों का उल्लंघन होने पर चालान की कार्रवाई की जा सकती है, लेकिन वाहनों को बड़ी संख्या में जब्त कर थाना में खड़ा कर देना उचित नहीं है।

चालकों ने जब्त किए गए वाहनों को तत्काल रिलीज करने और ट्रैफिक पुलिस की कार्रवाई की समीक्षा करने की मांग की है। उनका कहना है कि अगर उनकी समस्याओं का समाधान नहीं किया गया तो वे आगे आंदोलन करने को मजबूर होंगे। इधर, सड़क जाम की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और प्रदर्शन कर रहे लोगों से बातचीत कर जाम हटाने का प्रयास किया। पुलिस स्थिति को सामान्य कराने की कोशिश में जुटी रही।

धनबाद के केंदुआ में गोफ बनने से दहशत में लोग, स्थानीय लोगों की बढ़ी चिंता

धनबाद : जिले में केंदुआ के अग्नि प्रभावित इलाके कुमीर्डीह पांडेय बस्ती के पास अचानक दो बड़े गोफ बनने से इलाके में हड़-कंप मच गया। खाली जमीन पर बने गोफ से गैस का रिसाव होने की बात सामने आई है, जिसके बाद आसपास रहने वाले लोगों में अनहोनी की आशंका को लेकर दहशत है।

घटना की जानकारी मिलते ही बीसीसीएल प्रबंधन की टीम मौके पर पहुंची और सुरक्षा के मद्देनजर दोनों गोफ के आसपास फेंसिंग कर इलाके को घेर लिया। शुक्रवार को बीसीसीएल अधिकारियों की मौजूदगी में गोफ की भराई का काम शुरू हो गया है।

बताया जा रहा है कि जिस जगह पर गोफ बना हैं, वह बस्ती से कुछ दूरी पर स्थित है, हालांकि आबादी वाले इलाके के नजदीक अचानक जमीन धंसने की घटना ने स्थानीय लोगों की चिंता बढ़ा दी है। लोगों का कहना है कि अग्नि प्रभावित क्षेत्र में पहले से ही जमीन धंसने और गैस रिसाव का खतरा बना रहता है। ऐसे में नए गोफ का बनना सुरक्षा व्यवस्था पर भी सवाल खड़े करता है।

वहीं स्थानीय जेएमएम नेता महादेव हासदा ने घटना पर चिंता जताई है। उन्होंने कहा कि बस्ती के नजदीक दो बड़े गोफ का अचानक बनना गंभीर स्थिति है। उन्होंने बीसीसीएल प्रबंधन से अग्नि प्रभावित क्षेत्र में रहने वाले लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने और प्रभावित परिवारों के सुरक्षित पुनर्वास की प्रक्रिया में तेजी लाने की मांग की है। वहीं, बीसीसीएल अधिकारी लव प्रताप सिंह ने बताया कि कुर्मी डीह सहित आसपास के अग्नि प्रभावित क्षेत्रों में रहने वाले लोगों के पुनर्वास को लेकर सर्वे का काम पूरा किया जा चुका है। प्रभावित परिवारों को सुरक्षित स्थान पर बसाने की प्रक्रिया आगे बढ़ाई जा रही है। उन्होंने बताया कि जिस खाली जगह पर गोफ बना है, उसकी सुरक्षा के लिए घेराबंदी कर दी गई है और अब उसकी भराई की जा रही है।

मनोहरपुर को मिली रेल कनेक्टिविटी की बड़ी सौगात, एनार्कुलम एक्सप्रेस का ठहराव शुरू

सांसद जोबा माझी और विधायक जगत माझी ने दिखाई हरी झंडी, गाजे-बाजे के साथ ट्रेन का हुआ भव्य स्वागत

संवाददाता

मनोहरपुर : मनोहरपुर क्षेत्र के रेल यात्रियों के लिए शनिवार का दिन ऐतिहासिक बन गया। लंबे समय से चली आ रही मांग पूरी होने के बाद टाटानगरझएनार्कुलम एक्सप्रेस का मनोहरपुर रेलवे स्टेशन पर ठहराव शुरू हो गया। ट्रेन के पहली बार ठहराव को लेकर क्षेत्र के लोगों में खासा उत्साह देखने को मिला। स्थानीय लोगों ने स्टेशन पर गाजे-बाजे के साथ ट्रेन का स्वागत किया और खुशी का इजहार किया। ट्रेन के मनोहरपुर स्टेशन पहुंचने पर सांसद जोबा माझी, विधायक जगत माझी, राज्यसभा सांसद प्रदीप वर्मा के प्रतिनिधि जेबी तुबिद, चक्रधरपुर रेल मंडल के डीआरएम तरुण हुरिया समेत अन्य जनप्रतिनिधियों एवं रेल अधिकारियों ने ट्रेन का स्वागत किया। इसके बाद सांसद, विधायक एवं अन्य अतिथियों ने हरी झंडी दिखाकर ट्रेन को उसके गंतव्य की ओर रवाना किया। इस दौरान स्टेशन परिसर में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सांसद जोबा माझी ने कहा कि मनोहरपुर में एनार्कुलम एक्सप्रेस का ठहराव क्षेत्र की जनता की लंबे समय से चली आ रही मांग का परिणाम है। उन्होंने आज के दिन को मनोहरपुर और आसपास के क्षेत्र के लिए ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि इस उपलब्धि के लिए क्षेत्र की जनता लगातार आवाज उठाती रही है और सामूहिक प्रयासों से यह मांग पूरी हुई है। सांसद ने कहा कि सिंहभूम संसदीय क्षेत्र के जिन इलाकों में रेल सुविधाओं की आवश्यकता है, वहां सुविधाओं के विस्तार के लिए लगातार प्रयास किया जाएगा। उन्होंने मनोहरपुर रेलवे फाटक पर लगने वाले जाम का मुद्दा भी उठाया। कहा कि लोगों को रोजाना होने वाली परेशानी से निजात दिलाने के लिए यहां रेल ओवरब्रिज का निर्माण बेहद जरूरी है। इसके लिए भी लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। विधायक जगत माझी ने कहा कि कोविड से पहले मनोहरपुर क्षेत्र में रेल परिचालन और यात्री सुविधाओं की जो स्थिति थी, उसे वापस लाने के लिए संघर्ष जारी रहेगा। उन्होंने रेल अधिकारियों से मनोहरपुर क्षेत्र की लाइफलाइन मानी जाने वाली सारंडा सवारी गाड़ी का नियमित परिचालन सुनिश्चित करने की मांग की। उन्होंने कहा कि बीच-बीच में सारंडा सवारी गाड़ी का परिचालन बंद कर दिया जाना गरीब और मध्यम वर्ग के यात्रियों के साथ अन्याय के समान है। उन्होंने क्षेत्र में रेल सुविधाओं का और विस्तार करने की मांग भी रखी। भाजपा नेता जेबी तुबिद ने कहा कि प्रधानमंत्री और रेल मंत्री के नेतृत्व में भारतीय रेल लगातार विकास की दिशा में आगे बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में मनोहरपुर क्षेत्र को अन्य एक्सप्रेस ट्रेनों के ठहराव की सुविधा भी मिलने की उम्मीद है। एनार्कुलम एक्सप्रेस के ठहराव को लेकर स्टेशन पर मौजूद लोगों में जबरदस्त उत्साह रहा। ट्रेन के पहुंचते ही लोगों ने ढोल-नगाड़ों और गाजे-बाजे के साथ स्वागत किया। लोगों ने इसे क्षेत्र के लिए बड़ी उपलब्धि बताते हुए सांसद, विधायक और रेल प्रशासन के प्रति आभार जताया। कार्यक्रम में सीनियर डीसीएम आदित्य चौधरी, पूर्व विधायक गुरुचरण नायक, बड़कुंवर गागराई, जिला परिषद उपाध्यक्ष रंजीत यादव, बीडीओ शक्ति कुंज, सीओ प्रदीप कुमार, डीएसपी डेविड ए. दोदराय, थाना प्रभारी अमिएल एक्का, बंधना उरांव, अशोक बांदा, विजय सिंह गागराई समेत बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, रेल अधिकारी एवं स्थानीय ग्रामीण मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने पटना इस्कॉन मंदिर में की पूजा-अर्चना

प्रदेश के सुख-शांति एवं समृद्धि की कामना की

संवाददाता

पटना : मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने आज श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के पावन अवसर पर पटना स्थित इस्कॉन मंदिर में पूजा-अर्चना कर राज्य की सुख, शांति, समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। इस दौरान मुख्यमंत्री इस्कॉन मंदिर के तीसरे तल पर पहुंचे, जहां उन्होंने भगवान श्रीकृष्ण का अभिषेक किया तथा उन्हें झूला झुलाया।

मुख्यमंत्री ने श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर कहा कि ₹श्रीकृष्ण जन्माष्टमी₹ के पावन अवसर पर मैं सभी बिहारवासियों एवं देशवासियों को बधाई एवं शुभकामनाएं देता हूं। बिहार तरक्की के रास्ते पर निरंतर आगे बढ़ते हुए समृद्ध बने और भारत विकसित एवं सशक्त हो, ईश्वर से यही कामना करता हूं। उन्होंने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण का जीवन सत्य, धर्म, कर्म और लोककल्याण की प्रेरणा देता है। जन्माष्टमी का पर्व समाज में प्रेम, सद्भाव, भाईचारे और सकारात्मक ऊर्जा का संदेश देता है।

इस दौरान इस्कॉन मंदिर प्रबंधन समिति द्वारा मुख्यमंत्री को अंगवस्त्र एवं स्मृति चिन्ह भेंटकर उनका स्वागत किया गया। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री श्री विजय कुमार चौधरी, विधान पार्षद श्री नवल किशोर यादव सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण, गणमान्य व्यक्ति, इस्कॉन मंदिर प्रबंधन समिति से जुड़े पदाधिकारी एवं सदस्यगण तथा बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे।

यह अजीब संयोग है

विनय मिश्रा

झारखंड सरकार के कई महत्वपूर्ण विभागों के सचिव एवं 2008 बैच के कर्मठ और उपलब्धि भरे कार्यों के लिए पहचाने जाने वाले वरीय आईएएस अधिकारी अरवा राजकमल भवन निर्माण विभाग, उद्योग विभाग के अलावा खनन विभाग के भी सचिव हैं।खनन विभाग में उनके अधीनस्थ पदस्थापित राहुल कुमार सिन्हा 2011 बैच एवं वरुण रंजन 2014 बैच के आईएएस अधिकारी रांची के उपायुक्त रह चुके हैं वहीं श्री राजकमल रांची के भी डीडीसी रह चुके हैं।

है ना यह अजीब संयोग श्री राजकमल भी बोकारो, देवघर, सराईकेला खरसावां के लोकप्रिय उपायुक्त रह चुके हैं वहीं पश्चिम सिंहभूम चाईबासा के सर्वाधिक समय तक उपायुक्त रहने का रिकॉर्ड अरवा राजकमल के नाम है। ऐसे आईएएस अधिकारी से विभाग और राज्य दोनों गौरवान्वित होते हैं।

जमशेदपुर अक्षेस क्षेत्र में मात्र 82 प्रतिशत खाद्यान्न वितरण

जमशेदपुर : अगस्त माह में पूर्वी सिंहभूम जिले में एनएफएसए अर्थात राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत जमशेदपुर शहरी क्षेत्र में 82.37% ही वितरण हो सका है। जुगसलाई में यह प्रतिशत 85.40 और मानगो में 89.10 प्रतिशत है। वितरण की यह स्थिति 5 सितंबर तक अवधि विस्तार दिए जाने के बावजूद है। आज वितरण की विस्तारित अवधि का अंतिम दिन है। दरअसल अगस्त माह में वितरण की खराब स्थिति को देखते हुए राज्य सरकार ने सभी जिला प्रशासन को अतिरिक्त 5 दिन दिए हैं।

गंगा का जलस्तर एचएफएल के करीब जिलाधिकारियों और पुलिस अधीक्षकों को अलर्ट रहने का निर्देश

संवाददाता

पटना : गंगा नदी के बढ़ते जलस्तर को देखते हुए जल संसाधन विभाग ने बिहार के सभी जिला पदाधिकारियों एवं पुलिस अधीक्षकों को आवश्यक सतर्कता बरतने का निर्देश दिया है। अभियंता प्रमुख, जल संसाधन विभाग की ओर से जारी चेतावनी संवाद में बाढ़ आपदा की आशंका को लेकर सभी जरूरी ऐहतियाती कदम उठाने को कहा गया है। विभाग के अनुसार, शनिवार को सुबह 9 बजे गांधीघाट गेज स्थल पर गंगा का जलस्तर 50.51 मीटर दर्ज किया गया, जो खतरे के निशान से 1.91 मीटर ऊपर है। जलस्तर में अभी बढ़ोतरी की प्रवृत्ति बनी हुई है। गांधीघाट में गंगा का जलस्तर अपने उच्चतम जलस्तर (एचएफएल) 50.52 मीटर के बेहद करीब पहुंच गया है। प्राप्त पूवार्नुमान के अनुसार यहां गंगा के नया एचएफएल बनाने की संभावना जताई गई है। इससे नदी के प्रवाह क्षेत्र, विशेषकर दियारा इलाकों में दबाव बढ़ने की आशंका है। जल संसाधन विभाग ने तटबंध के नदी भाग में रहने वाले लोगों को स्थिति की जानकारी देने तथा आवश्यकता के अनुसार यथोचित कार्रवाई करने का निर्देश दिया है। साथ ही बाढ़ आपदा से निपटने के लिए जिलास्तर पर गठित दलों की लगातार गश्ती और निगरानी सुनिश्चित करने को कहा गया है।प्रशासन को संवेदनशील क्षेत्रों पर विशेष नजर रखने, स्थानीय स्तर पर लोगों को सतर्क करने और किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए तैयार रहने को कहा गया है।

राज्य रैंकिंग टेबल टेनिस चैंपियनशिप शुरू, 154 खिलाड़ी दिखाएंगे दम

जमशेदपुर : जेआरडी टाटा स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में द्वितीय झारखंड स्टेट रैंकिंग टेबल टेनिस चैंपियनशिप का शुक्रवार को आगाज हुआ। राज्य के सात जिलों से पहुंचे 154 खिलाड़ी विभिन्न आयु वर्गों में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर रहे हैं। प्रतियोगिता का उद्घाटन टाटा स्टील यूआईएसएल के प्रबंध निदेशक अतुल कुमार भटनागर ने किया। उन्होंने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए खेल भावना के साथ बेहतर प्रदर्शन की शुभकामनाएं दी। प्रतियोगिता में मेजबान पूर्वी सिंहभूम के अलावा बोकारो, धनबाद, गढ़वा, हजारीबाग, रामगढ़ और रांची के खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं। कुल 154 प्रतिभागियों में 109 बालक और 45 बालिकाएं हैं। पूर्वी सिंहभूम से 78 खिलाड़ी मैदान में हैं, जिनमें 52 बालक और 26 बालिकाएं शामिल हैं। मुकाबले अंडर-11, अंडर-13, अंडर-15, अंडर-17, अंडर-19 और सीनियर वर्ग में खेले जा रहे हैं। प्रतियोगिता के सभी फाइनल मुकाबले और पुरस्कार वितरण समारोह 6 सितंबर को होगा। उद्घाटन समारोह में झारखंड राज्य टेबल टेनिस संघ के मेंटर जय कुमार सिन्हा, मानद महासचिव समरजीत सिंह, खेल विभाग के प्रमुख मुकुल विनायक चौधरी, प्रमुख कैप्टन मनीष सिन्हा, पूर्वी सिंहभूम जिला टेबल टेनिस संघ के चेयरमैन प्रवेश नारंग और संरक्षक ओमप्रकाश मिश्रा समेत अन्य मौजूद रहे।

दियारा इलाके में पेयजल व मेडिकल इमरजेंसी समस्या से नावाकिफ है सरकार और विभाग

हाल ही में नेपाल में आए विनाशकारी बाढ़ के दुष्प्रभाव से बिहार वाल्मीकिनगर बराज के कुशल जल प्रबंधन से बच गया, पर गंगा नदी अपने पूरे उफान पर है

संवाददाता

पटना/दानापुर : बिहार में गंगा नदी का दियारा क्षेत्र बक्सर से लेकर कटिहार तक (पूरे गंगा प्रवाह के साथ) फैला हुआ है, जिसमें पटना, मुंगेर, लखीसराय और भागलपुर जैसे मुख्य जिले शामिल हैं।

बिहार में यह बक्सर (पश्चिम) से लेकर भागलपुर और कटिहार (पूर्व) तक गंगा के मैदानी हिस्से में फैला है, जिसमें मध्य गंगा बेसिन के पटना (दानापुर, दीघा आदि), लखीसराय, और मुंगेर के इलाके सबसे प्रमुख हैं। यह क्षेत्र हर साल मानसून (जुलाई से अक्टूबर) में बाढ़ और जलमग्न होने की समस्या से प्रभावित रहता है।

गंगा नदी बिहार में प्रवेश करने (बक्सर) से लेकर बाहर निकलने (कटिहार) तक कुल 445 किलोमीटर की दूरी तय करती है। गंगा का यह दियारा क्षेत्र नदी के दोनों किनारों पर कई किलोमीटर (कुछ स्थानों पर 5 से 15 किमी) तक फैला हुआ है। बिहार में कुल दियारा भूमि का क्षेत्रफल लगभग 11 लाख हेक्टेयर (यानी करीब 11,000 वर्ग किलोमीटर) से अधिक आंका गया है, जो गंगा और उसकी सहायक नदियों (जैसे गंडक, कोसी, सोन) के कछार में विस्तृत है। यह क्षेत्र मुख्य रूप से बिहार के 12 जिलों को छूता है:बक्सर, भोजपुर, सारण, पटना, वैशाली, समस्तीपुर, बेगूसराय, लखीसराय, मुंगेर, खगाड़िया, भागलपुर, और कटिहार।

वीडियो पटना के दानापुर दियारा। गंगा नदी के इस 445 किमी लंबे दियारा बेल्ट में रहने वाली आबादी के सटीक आंकड़े अलग से नहीं जारी किए जाते, क्योंकि यह क्षेत्र प्रशासनिक रूप से कई जिलों और सैकड़ों पंचायतों में बंटा हुआ है। हालांकि, आधिकारिक और जनसांख्यिकीय शोध के अनुसार:कुल अनुमानित आबादीः बक्सर से कटिहार के बीच गंगा नदी के मुख्य दियारा और उससे सटे अति-प्रभावित बाढ़ क्षेत्रों में लगभग 40 लाख से 50 लाख लोग निवास करते हैं। वीडियो पटना के दानापुर दियारा का है जिसका विस्तार उत्तर में सारण जिले तक है। दानापुर दियारा में कई पंचायतें हैं और यह वीडियो अकिलपुर पंचायत का है। एसडीआरएफ ने ड्रम के 50 नाव उपलब्ध कराये हैं। इन नावों का मुख्य इस्तेमाल पीने के पानी को गैलन में भरकर घर तक ले जाने के लिए होता है। नल-जल योजना से मिली सुविधा बाढ़ के पानी में डूब गई है। पर जिन लोगों का अपना चापाकल है वही संकट के समय पेयजल का स्रोत है। यानी पेयजल उपलब्ध कराना आपदा प्रबंधन विभाग की प्राथमिकता में नही है। सिर्फ यही नही, मेडिकल इमरजेंसी की स्थिति नही आयेगी, विभाग और सरकार या तो मान बैठे हैं या फिर आंख और कान दोनों बंद कर मानसून के खत्म होने का इंतजार कर रहे हैं।